दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

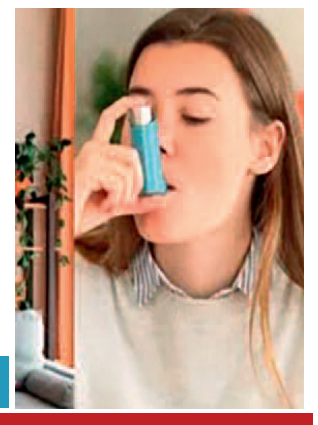

उठते-बैठते प्लास्टिक की बोतल से पानी पीना हो सकता है खतरनाक.....

लगातार एसी में बैठना भी है नुकसानदायक....

वर्ष : 10 | अंक : 176 | लखनऊ, 05 जून, बुधवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

सबका साथ, सबका विश्वास वाला रिजल्ट

20 पार्टियां मिलकर जितना लाई, बीजेपी अकेले ही उससे ऊपर आई

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, नरेंद्र मोदी के सत्ता के शिखर पर कदमताल करने की कहानी लिखे जाने के बाद दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय तो जैसे अपने सबसे बड़े स्टार के लिए पलके बिछाए बैठा था। यह तो तय है कि मोदी तो मोदी हैं और मोदी जैसा कोई नहीं। एनडीए को तीसरी बार मिली इस सफलता के मैन ऑफ द मैच नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगियों की जोड़ी पूरे देश में ऐसी दौड़ी की क्या बिहार क्या ओडिशा क्या आंध्रा एक-एक कर सारे प्रदेश भाजपा की झोली में आकर गिरने लगे। जिसके बाद नरेंद्र मोदी का भाजपा मुख्यालय में कार्यकताओं द्वारा ऐसा स्वागत तो बनता है। पुष्पहार, बंदनवार, तोरण द्वार, फूलों की बौछार और मुद्रा कुछ ऐसी की तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा।

बीजेपी मुख्यालय में पहुंचे नरेंद्र मोदी के संबोधन में ऊर्जी में कोई कमी दिखाई नहीं दी। भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम ऐसे ही बड़े फैसले लेते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 1962 के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई सरकार तीसरी बार सत्ता में आ रही है। इसके साथ ही सारे एग्जिट पोल गलत साबित हुए। 400 पार का नारा देने वाला एनडीए 290 सीटों पर आकर रूक गया। वहीं एनडीए को कड़ी टक्कर देने वाला इंडिया गठबंधन उसे 234 सीटें मिली। विपक्ष इसे अपनी जबरदस्त सफलता मान रहा है। उसे लग रहा है कि वो मीद को हटाने के बेहद करीब पहुंच चुका है। लेकिन सच्चाई ये है कि एनडीए को पूर्ण बहुमत मिल चुका है। सरकार बनाने के लिए 272 का आंकड़ा पार करना होता है जो 13 दले मिलकर भी हासिल नहीं कर पाई है। वहीं बीजेपी अपने दम पर 234 सीटें हासिल कर पाई है।

वहीं एनडीए को मिलाकर ये आंकड़ा बहुमत से कहीं अधिक यानी 290 के आंकड़े के करीब हो जाता है। बीजेपी ने अकेले ही 234 सीटें जीती हैं जो कि 20 पार्टियों की कुल सीटों से ज्यादा हैं। 2024 के चुनाव में मोदी लहर की सेज पर सवार बीजेपी की गाड़ी ऐसी सरपट दौड़ी की देश की सबसे पुरानी पार्टी राजनीति का फिर से मोदी को हराने का दावा सपना बनकर रह गया। हालांकि कुछ क्षेत्रीय चेहरे ऐसे भी रहे जिन्होंने अपने राज्यों में मोदी लहर को थाम लिया। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे ने अपने राज्यों में बीजेपी को मनमाफिक प्रदर्शन करने से रोक दिया।

जनता ने तीसरी बार एनडीए पर जताया भरोसा, हम अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे : पीएम मोदी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा चुनाव के नतीजे में एनडीए को मिली बहुमत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। अपनी ट्वीट के जरिए उन्होंने आभार जताया है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा है कि हम अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 के आज नतीजे आ रहे हैं। अब तक के रुझानों के हिसाब से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 290 सीटों पर बढ़त बना रखी है। भाजपा 240 के आसपास सीटों पर अपने दम पर जीत रही है। इसका मतलब साफ है कि भाजपा 2014 और 2019 की तरह अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर रही है। इस बार भाजपा को अपने सहयोगियों को साथ में रखकर सरकार चलाने की कोशिश करनी पड़ेगी। इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा है। इसलिए इंडिया गठबंधन के लिए भी विकल्प खुले दिखाई दे रहे हैं। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट आया है। अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा कि जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा जताया है ! यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मैं इस स्नेह के लिए जनता जनार्दन को नमन करता हूं और उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पिछले दशक में किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखेंगे।

अमित शाह की धमाकेदार जीत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, गांधीनगर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अमित शाह चुनाव जीत गए हैं। चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अमित शाह को कुल 10 लाख 10,972 वोट मिले हैं। कांग्रेस की सोनल पटेल 2 लाख 66,256 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अमित शाह ने अपनी जीत का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले लोकसभा चुनावों में उन्होंने 5 लाख 57,014 मतों के अंतर से विजय पाई थी। इस बार उनकी जीत का मार्जिन 7 लाख 44,716 है। गांधीनगर लोकसभा सीट पर तीसरे चरण के तहत 7 मई को मतदान हुआ था। गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट हमेशा से हाईप्रोफाइल रही है। पिछले 35 सालों से इस पर बीजेपी का कब्जा है। गांधीनगर को बीजेपी की सबसे सुरक्षित सीटों में गिना जाता है। फिलहाल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सीट से सांसद हैं।

यूपी में क्यों जमीनी हालात नहीं भांप सकी भाजपा

राजकुमार सिंह चौहान वरिष्ठ पत्रकार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की मैजिक पावर तथा राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा के दम पर उत्तर प्रदेश में मिशन 80 को लेकर निकली भाजपा के लिए मंगलवार को आए नतीजे चौंकाने वाले रहे , इन नतीजे से लग रहा है कि भाजपा संगठन यूपी की जमीनी हकीकत को भाँप नहीं सकी, इससे यह भी साबित हुआ कि प्रदेश नेतृत्व अत्यंत कमजोर है, जिसका नतीजा परिणामो में साफ - साफ दिख रहा है ।

सवाल ये उठ रहे हैं कि कार्यकताओं की इतनी बड़ी फौज और प्रचार तंत्र की मशीनरी से मैदान में उतरी भाजपा जमीनी हकीकत को भांप नहीं पाई. इसके पीछे कुछ वजह हैं जिनको समझने में शायद बीजेपी का तंत्र अंजान रहा. जहां वह सीटें बढ़ाना तो दूर की बात, अपनी सीटें भी नहीं बचा पाई. भले ही बीजेपी नौजवानों को हित में रखकर अग्निवीर लाई हो पर ये काफी हद तक कामयाब नहीं हुई. आम जनता को ये पसंद नहीं आई । लोगों का कहना था कि चार वर्ष के बाद युवा फिर बेरोजगार हो जाएगा, अग्निवीर स्कीम को लेकर युवाओं की नाराजगी स्कीम लागू करते वक्त भी दिखी थी ।

बीजेपी ने प्रत्याशियों के चयन में काफी गलतियां की. स्थानीय लोगों के गुस्से को दरकिनार करते हुए ऐसे लोगों को टिकट दिए गए, जो मतदाताओं को शायद पसंद नहीं आए. या स्थानीय नेता को दरकिनार किया गया और बाहरी लोगों को टिकट दिया. इसका नतीजा भाजपा को मिलने वाले मत प्रतिशत में भारी गिरावट दर्ज की गई ।

यूपी में एक के बाद एक पेपर लीक की घटनाएं हुई जिससे आम जनता परेशान थी. उनका गुस्सा शायद वोटों के रूप में फूटा. बीजेपी की यूपी में इस तरह शिकस्त खाने का एक कारण पेपर लीक भी हो सकता है. कई बड़े पेपरों के लीक होने से लोगों के अंदर गुस्सा था. एक तरफ जहां लोग बेरोजगारी से परेशान थे. पेपर लीक, युवाओं के लिए एक बड़ा मुद्दा था. इसी वजह से जमीन पर भारी संख्या में युवा भाजपा से काफी नाराज दिखे. मतों में भी बात झलक कर आ रही है ।

यूपी में क्षत्रियों की नाराजगी की भी बीजेपी को नुकसान हुआ है पहले गुजरात में पुरषोत्तम रुपाला का क्षत्रियों पर कमेंट मुद्दा बना. गाजियाबाद से जनरल वीके सिंह का टिकट कटना भी मुद्दा बना. एक अफवाह यह भी फैलाई गई कि अगर बीजेपी को 400 सीटें मिलती हैं तो उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को बीजेपी हटा देगी. इस बात को लेकर आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हमला भी बोला लेकिन अरविंद केजरीवाल के इस आरोप पर समय से भाजपा नेतृत्व द्वारा किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं दी गई ।

पश्चिमी यूपी में लगातार कई जिलों में राजपूतों ने सम्मेलन करके कसम दिलाई गई कि किसी भी हालत में बीजेपी को वोट नहीं देना है. अगर ठीक से कोशिश की गई होती तो ये सम्मेलन रोके जा सकते थे. पीएम मोदी ने जैसे ही 400 पार का नारा दिया, बीजेपी के कुछ नेता दावा करने लगे कि 400 पार इसलिए चाहिए क्योंकि संविधान बदलना है. इस बात को कांग्रेस और सपा ने खूब भुनाया और इसे आरक्षण से जोड़ा तथा दावा किया कि भाजपा इतनी ज्यादा सीटें इसलिए चाहती है ताकि वह संविधान बदल सके और आरक्षण खत्म कर सके. दलितों और ओबीसी को ये बात जमी नहीं और नतीजा वोट के रूप में सामने आया. जनता के मन में ये बात आई की अगर यूपी प्रचंड बहुमत से आई तो संविधान बदल जाएगा. जनता को ये बात नागवार गुजरी और उसने अपना जनादेश इस रूप में दे दिया ।

यूपी में दो लड़कों का कमाल! सीएम योगी के लिए चुनौती की दस्तक

कांग्रेस के एक फैसले ने बदल कर रख दिया गुणा-गणित

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दलों के बनते-बिगड़ते गुणा-गणित के बीच विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए ने इस बार न सिर्फ बाजी मारी है बल्कि अगले विधानसभा चुनाव के लिए भगवा खेमे के सामने बड़ी चुनौती की दस्तक भी दी है। इस बार कांग्रेस का हाथ थाम कर साइकिल अपनी रफ्तार बढ़ाने में कामयाब रही। विपक्षी गठबंधन के सहारे कांग्रेस भी उप्र में अपना खोया जनाधार बढ़ाने में सफल रही। गठबंधन का लाभ दोनों दलों को हुआ है और सीधा नुकसान भाजपा को उठाना पड़ा। सपा व कांग्रेस ने मिलकर इस बार जिस तरह भगवा खेमे को घेरा, उसके पीछे बड़ी ताकत मुस्लिम वोट बैंक की भी रही। दोनों दलों के बीच हुए समझौते के बाद मुस्लिम समुदाय का रुख एकतरफा रहा।

पिछले चुनाव में सपा को हुआ था नुकसान

2019 लोकसभा चुनाव में सपा, बसपा व राष्ट्रीय लोकदल के बीच महागठबंधन हुआ, लेकिन तीनों दल मिलकर भी दलित-पिछड़ों व जाट वोट बैंक को एकजुट नहीं कर पाए थे। विपक्षी वोटबैंक में सेंधमारी कर भाजपा अपनी जीत सुनश्चित करने में सफल रही थी। तब उत्तर प्रदेश में महागठबंधन का असली लाभ हाथी को हुआ था।

2014 लोकसभा चुनाव में शून्य पर रही बसपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में सपा के सहारे बड़ी छलांग लगाई थी और दस सीटें जीतकर अपने खोए वजूद को फिर ताजा दम करने में कामयाब रही थी, जबकि 2014 लोकसभा चुनाव में पांच सीटों पर जीत दर्ज करने वाली सपा को एक सीट का भी लाभ नहीं हुआ था।

17 सीटों पर ही चुनाव लड़ने को राजी हुई कांग्रेस

बसपा से गठजोड़ की कीमत चुकाने के बाद इस बार सपा के लिए कांग्रेस पर भरोसा जताना उतना आसान भी नहीं था। दोनों दलों के नेताओं के बीच तल्खियां भी बढ़ती नजर आईं थीं। पर, कांग्रेस माहौल को भांपते हुए उप्र में विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए को मजबूत करने के लिए 17 सीटों पर ही चुनाव लड़ने को राजी हो गई थी।

कांग्रेस का यह समझौता पहले भले ही उसके अपनों को घाटे का सौदा लग रहा था पर नतीजों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की दूरदर्शिता साबित की है। एक बार फिर हाथ मिलाने के बाद राहुल गांधी व अखिलेश यादव ने संयुक्त सभाएं कर आक्रामक प्रचार किया। राहुल ने जातीय गणना के मुद्दे को धार दी तो अखिलेश भी भाजपा पर तीखे हमले बोलते रहे। जिसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

नहीं उतारे थे उम्मीदवार

सपा-कांग्रेस एक-दूसरे की मदद पहले से करते आए हैं। दोनों दल उनके बीच गठबंधन न होने के बाद भी एक-दूसरे के बड़े नेताओं की सीट पर उम्मीदवारों को न उतारने की परंपरा निभाते रहे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव दोनों दल अकेले लड़े पर सपा ने अमेठी में राहुल गांधी व रायबरेली में सोनिया गांधी के समर्थन में अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे। कांग्रेस ने भी मैनपुरी में मुलायम सिंह यादव, आजमगढ़ में अखिलेश यादव व कन्नौज में डिंपल यादव के समर्थन में अपने उम्मीदवार नहीं दिए थे। इससे पूर्व के चुनावों में भी दोनों इस परंपरा का निर्वहन करते आए हैं।

रिकॉर्ड मतों से जीते राहुल, आपको अपना बेटा सौंप रही हूं : सोनिया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, मतदान से दो दिन पहले 18 मई को आईटीआई मैदान में सोनिया ने रायबरेली की जनता से भावुक अपील की थी... अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे मुझे अपनाया, वैसे ही राहुल को अपनाना। मैं रहूं या न रहूं, राहुल आपको कभी निराश नहीं करेंगे। सोनिया की इस अपील पर वोटरों ने राहुल को एतिहासिक जनादेश दे दिया। राहुल गांधी को तीन लाख 90 हजार से अधिक मतों से क्षेत्र की जनता ने जिता दिया। कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को 687649 मत मिले। दूसरे नंबर पर भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह रहे। उन्हें कुल 297619 वोट मिले। तीसरे नंबर पर बसपा प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव रहे। उन्हें महज 21624 वोट मिले।

रायबरेली संसदीय सीट से एतिहासिक जीत दर्ज कराकर राहुल ने दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मां सोनिया छह बार सांसद का चुनाव जीतीं हैं। राहुल गांधी भी इस बार लोकसभा के छह चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बना चुके हैं उन्होंने रायबरेली में अपनी मां की विरासत को भी बचाया है। मां, दादी और पिता में राहुल गांधी सबसे अधिक वोट पाने वाले प्रत्याशी हो गए हैं।

राहुल गांधी ने पहला चुनाव अमेठी से 2004 में लड़ा। इसके बाद 2009 और 2014 में ही अमेठी से सांसद बने। 2019 में अमेठी से हारने वाले राहुल गांधी ने केरल के वायनाड सीट से जीत दर्ज कराई थी। लोकसभा के चार चुनाव जीतने वाले राहुल गांधी ने 2024 में रायबरेली और वायनाड सीट से रिकॉर्ड जीत दर्ज कराई है। राहुल गांधी के नाम परिवार में सबसे अधिक 7,06,369 वोट वायनाड सीट से 2019 में पाने का रिकॉर्ड भी है।

मायावती की एक जिद से दशक बाद फिर हाथी चारों खाने चित

बसपा को जनाधार में भी हुआ नुकसान

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के मैदान में अकेले ही ताल ठोकना एक बार फिर बसपा को भारी पड़ा। गरीब वंचित-शोषित समाज के मतदाताओं पर मोदी-योगी के प्रभाव और सपा-कांग्रेस गठबंधन ने बसपा प्रमुख मायावती को बड़ा झटका दिया है।

10 सांसदों वाली बसपा से वंचितों के दूर जाने के साथ ही मुस्लिम समाज के भी मायावती संग खड़ा न होने से पार्टी न केवल शून्य पर सिमट कर रह गई है, बल्कि उसका जनाधार भी 10 प्रतिशत से कहीं अधिक खिसक गया है।

पांच वर्ष पहले सपा-रालोद से गठबंधन करने वाली मायावती इस बार तमाम अटकलों को अंततः खारिज करते हुए न एनडीए और न ही विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के साथ रहीं। इससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। 80 में से 79 सीटों (बरेली सीट पर पर्चा खारिज) पर चुनाव लड़ी बसपा एक भी सीट जीतना तो दूर, दूसरे नंबर पर भी नहीं रही।

मुस्लिम समाज ने भी नहीं दिया साथ

मोदी सरकार की मुफ्त राशन-मकान, सम्मान निधि सहित दूसरी गरीब कल्याण की योजनाओं से प्रभावित वंचित समाज का कोर वोट बैंक पहले ही बसपा से दूर जाते दिख रहा था, इस बार मुस्लिम समाज भी उसके साथ बिल्कुल खड़ा नहीं दिखाई दिया। इस बार गैर जाटव के साथ ही गैर यादव पिछड़ी जातियों ने भी हाथी का पूरी तरह से साथ छोड़ दूसरे दलों का ही बटन दबाया। यही कारण रहा कि बसपा किसी भी लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय लड़ाई में भी नहीं दिखाई दी।

बसपा को जबरदस्त नुकसान के पीछे डेढ़ दशक से सत्ता से बाहर रहने और मायावती के फील्ड में सक्रिय न दिखाई देने को भी बड़ा कारण माना जा रहा है। पार्टी के नेता इस बार गठबंधन में शामिल होने के पक्ष में थे, लेकिन मायावती उन्हें यही समझाती रहीं कि कांग्रेस या सपा से गठबंधन करने पर पार्टी को फायदे की बजाय नुकसान ही होता है। इससे पार्टी के जनाधार वाले नेताओं के साथ ही दो सांसद सपा में व एक-एक भाजपा-कांग्रेस में चले गए।

सपा प्रत्याशी आरके चौधरी बने विजेता

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली। मोहनलालगंज लोकसभा सीट के समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आरके चौधरी अपना चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर को पराजित किया है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री कौशल किशोर मोहनलालगंज से जीत की हैट्रिक बनाने के लिए मैदान में थे। बसपा ने राजेश कुमार तो महागठबंधन से सपा उम्मीदवार आरके चौधरी हैं। अनसूचित जाति के 35 प्रतिशत मतदाता हैं, जिसमें पासी मत अधिक हैं, जबकि भाजपा, सपा और बसपा के उम्मीदवार भी पासी समाज से हैं, लिहाजा तीनों की निगाहें पासी मतों पर हैं, जबकि नगर निगम के 26 वार्ड भाजपा के लिए जीत का आधार बनते हैं, जो शहरी क्षेत्र में हैं।

लखनऊ लोकसभा सीट जीतकर राजनाथ सिंह ने लगाई हैट्रिक

एक लाख 35 हजार मतों से जीते

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, लोकसभा चुनाव के सियासी संग्राम में भाजपा के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह ने लखनऊ सीट से अपनी जीत की हैट्रिक लगा दी। वह अपने प्रतिद्वंदी उम्मीदवार सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा से एक लाख 35 हजार 159 मतों से जीते। साथ ही मोहनलाल गंज सीट पर भाजपा उम्मीदवार कौशल किशोर को इस बार करारी हार का सामना करना पड़ा और वह जीत की हैट्रिक लगाने से चूक गए। सपाई उम्मीदवार आरके चौधरी ने उन्हें पराजित कर दिया।

राजधानी लखनऊ के चुनाव को लेकर माना जा रहा था कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इस बार भी चुनाव जीत जाएंगे। ऐसा हुआ भी पर मुकाबला इस बार आसान नहीं रहा। इस बार उनका मार्जिन घट गया। राजनाथ सिंह को 6 लाख 12 हजार 709 मत मिले जबकि रविदास मेहरोत्रा को 4 लाख 77 हजार 550 मत मिले।

लखनऊ लोकसभा सीट की कैंट विधानसभा में मंगलवार सुबह ईवीएम खुलते ही भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने रफ्तार पकड़ ली। उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि, कई चरणों में बढ़त का मार्जिन अनुमान से कम रहा। भाजपा कार्यकताओं की खुशियां भी देखने लायक थी लेकिन टीवी पर चल रहे रुझानों से उनके चेहरे कुछ मायूस से हो गए लेकिन दिन चढ़ने के साथ-साथ राजनाथ सिंह ने जो बढ़त हासिल की, वह बनी रही। उधर मोहनलालगंज के मतदाताओं ने इस बार भारी उलटफेर कर दिया। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर हैट्रिक लगाने की आस में चुनावी मैदान में थे लेकिन वोटरों ने उनकी यह मंशा पूरी नहीं होने दी। इस सीट पर सपा के उम्मीदवार आरके चौधरी ने अपनी जीत का परचम फहरा दिया।

संक्षेप

जानवर खेत में जाने से नाराज पिता-पुत्र ने किशोर के कपड़े उतारकर पीटा

मोहनलालगंज। हुलासखेड़ा मजरा आजादपुर गांव निवासी आशा ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते सोमवार की शाम किशोर बेटा अक्षय कुमार अपने जानवर चराने जगंल में गया था,गलती से धीर सिंह के खेत में जानवर चले गये,जिसको लेकर नाराज धीर सिंह ने अपने बेटे छोटू के साथ मिलकर बेटे अक्षय के कपड़े उतरवाकर लाठी डंडो से बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी ओर जातिसूचक शब्दो का प्रयोग करते हुये जमकर गाली-गालौज की।बेटे की चीख-पुकार सुनकर आस-पास खेतो में मौजूद लोगो ने पहुंचकर बेटे की जान बचाई।जिसके बाद आरोपी पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकलें।सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचकर घायल बेटे को इलाज के लिये अस्पताल लेकर गयें।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया पीड़िता की तहरीर पर आरोपी पिता-पुत्र पर मारपीट,जान से मारने की धमकी देने समेत एससी/एसटी एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरू कर दी गयी है।

चोरों ने से बैग में रक्खी कीमती ज्वैलरी व नकदी की चोरी

लखनऊ । आशियाना थाना क्षेत्र में घूम रहे बेखौफ चोरों ने एक घर की दूसरी मंजिल मे बने कमरे से लाखों रुपये कीमत की ज्वैलरी समेत हजारों रुपए नकदी चोरी कर फरार हो गए। आशियाना थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित किला मोहम्मदी नगर निवासी काली किशोर दीक्षित पुत्र स्व विद्याधर दीक्षित के अनुसार बीते 29/30 मई की रात्रि उनके घर में ऊपरी कमरे में रखी अलमारी के लाकर से अज्ञात चोरो ने लाखों रुपये की सोने की ज्वैलरी समेत 15 सौ रुपए नगद चोरी कर फरार हो गए । जिसकी जानकारी होने पर उसने स्थानीय थाने में पुलिस से शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

बेटी के आत्महत्या करने के बाद पिता ने उसके शव को घर में दफनाया

● बेटी के शव को घर में दफनाने के एक माह बाद तक पिता साधे रहा चुप्पी,पत्नी ने पुलिस से की शिकायत तो खुला राज

डीएम से परमिशन ने बाद फारेंसिक टीम की मौजूदगी में घर में दफन किशोरी के शव को आज निकलवाया जायेगा बाहर

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। सोहांवा गांव से सदिग्धं परिस्थितियों में घर से लापता हुयी 14वर्षीय किशोरी का पिता एक माह तक चुप्पी साधे रहा।मायके से घर लौटी मां सुनीता ने बेटी रजंना को गायब देखा तो बीते सोमवार को पुलिस से लिखित शिकायत कर तलाशने की गुहार लगाते हुये दबी जुबान में पुलिस से पति संजीवनलाल पर ही बेटी को गायब करने का अदेंशा जताया।जिसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर पिता को हिरासत में लेकर कड़ाई से पुछताछ की तो उसने जो बताया पुलिस के का?न खड़े हो गये।पुलिस पुछताछ में पिता संजीवनलाल ने बताया 5-6मई की? रात बेटी उसके फोन से किसी से बात कर रही थी,जब उसने देखा तो बेटी को को डांट दिया,जिसके बाद खाना खाकर सभी सोने चले गये देर रात बेटी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी,6मई की सुबह सोकर उठने पर बेटी का शव फांसी के फंदे से लटका देखा तो वो डर गया ओर घर में मौजूद मासूम बेटो के साथ मिलकर बेटी के शव को नीचे उतारकर घर में ही गड्ढा खोदकर दफन कर दिया ओर चुप्पी साध गया।जिसके बाद इंस्पेक्टर आलोक राव पुलिस फोर्स के साथ आरोपी पिता को लेकर घटना स्थल तस्दीक करने के लिये मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। ग्रामीणो ने दबी जुबान में घटना को आनर किलिंग बताते हुये पिता द्वारा बेटी की हत्या कर शव को घर में दफनाने का अंदेशा जताया है?।एडीसीपी दक्षिणी शंशाक सिंह ने बताया लापता किशोरी की गुमशुदगी दर्ज कर मां के संदेह जताने पर पिता से पुछताछ की गयी तो बेटी के द्वारा आत्महत्या करने के बाद फंसने के डर से शव को घर के पिछले हिस्से में बने जानवरो के तबेले में गड्ढा खोदकर गाड़ने की बात कबूली है, जिलाधिकारी से परमिशन मिलने के बाद मजिस्ट्रेट व फारेसिंक एक्सपर्ट की टीम की मौजूदगी में गड्ढा खुदवाकर मृतक किशोरी के शव को बाहर निकलवाकर पीएम के लिये भेजा जायेगा।इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया शव की निगरानी के लिये पुलिस टीम को मौके पर तैनात किया गया है।परमिशन मिलने के बाद बुद्ववार को मृतका किशोरी के शव को गड्ढे से बाहर निकलवाया जायेगा।

पत्नी से बेटी के किसी के साथ भगाने की बात बताई....

19मई को पत्नी सुनीता अपने मायके से घर वापस लौटी तो बेटी रंजना को गायब देख पति सजीवनलाल व दोनो बेटो अमर व समर से पुछा तो उन्होने किसी के साथ भगाने की बात बताई लेकिन ये बात मां को हजम नही हुयी जिसके बाद उसने पति से पुलिस से शिकायत करने के बारे में पुछा तो वो टाल गया।तब जाकर पत्नी ने मायके फोन कर अपने भाईयो को जा?नकारी दी।जिसके बाद भाईयो ने मौके पर पहुंचकर बेटी की गुमशुदगी ना दर्ज करने पर उसके विरूद्व मुकदमा दर्ज कराने की बात कही तब जाकर पत्नी संग कोतवाली पहुंचकर पुलिस से शिकायत की।पत्नी सुनीता के अंदेशा जताने पर पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर कड़ाई से पुछताछ की तो वो टूट गया ओर डांटने के बाद बेटी के आत्महत्या करने पर शव को घर के पिछले हिस्से बने जानवरो के तबले में गड्ढा खोदकर शव को दफनाने की बात बताई।मृतका रंजना कक्षा नौ की छात्रा थी ओर अपने दोनो भाईयो के साथ बंथरा के कैथी गांव के एक निजी स्कूल में पढती थी।

शेखमीर एवं इटिया शहीद बाबा का 6 दिवसीय 65वां सालाना उर्स मुबारक हुआ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर के बाग नंबर-3, चिल्लावां में तपोवन नगर स्थित शेखमीर एवं इटिया शहीद बाबा का 6 दिवसीय 65वां सालाना उर्स मुबारक मंगलवार सुबह काफी धूमधाम के साथ संपन्न हो गया। बीती 29 अप्रैल से शुरू हुए इस उर्स में पहले दिन रात को जाफर नियाजी लखनवी और आरजू परवीन बनारस, दूसरे दिन सुहैल वारसी लखनवी और नेहा सुल्तानी उन्नाव, तीसरे दिन लतीफ अजमेरी कानपुर, चौथे दिन शाने आलम साबरी मुंबई और मुस्कान डिस्को दिल्ली, पांचवें दिन गुलाम हबीब पेंटर मुंबई और जेबा रानी दिल्ली, छठवें दिन सोमवार रात सरवर भारती कानपुर द्वारा कव्वालियां प्रस्तुत की गई। कव्वालियों का यह दौर प्रत्येक दिन पूरी रात चला। इस उर्स में विभिन्न प्रकार के झूलों व चाट बताशे आदि की दुकानों पर स्थानीय लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के दौरान आयोजन व उर्स कमेटी अध्यक्ष रईस अहमद, संरक्षक अनुराग श्रीवास्तव एडवोकेट, उपाध्यक्ष मो. हसन, संगठन मंत्री पप्पू, मो. इमरान, मंत्री हारून खान, शब्बीर खान, मोनिश खान, गुलाब खान, मो. राशिद, शहबान खान, मानू खान, भूपत प्रसाद, पूर्व पार्षद किशन दादा, वशी उर्फ पप्पू, राजू वर्मा और अजीज वारसी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। मंगलवार सुबह उर्स का समापन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सरोजनीनगर प्रथम वार्ड के पार्षद रामनरेश रावत ने किया। इस दौरान उर्स कमेटी अध्यक्ष रईस अहमद ने कहा कि इस उर्स मेले में पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर काफी मदद की गई। जिसको लेकर रईस अहमद ने पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

किशोरी की मौत, पिता ने घर में दफना दिया शव

● पुलिस के सामने ऐसे कबूला बात

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मोहनलालगंज इलाके में करीब एक माह पूर्व हुई 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध हालात में मौत के बाद उसके पिता ने शव घर में दफना दिया। मायके से जब उसकी पत्नी लौटी उसने बेटी के बारे में पूछताछ की तो बोला कि भाग गई कहीं। दोनों में झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद पति को थाने लेकर बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंची। थाने में पुलिस की पूछताछ में पिता टूट गया और स्वीकारा की उसने बेटी की मौत के बाद उसे दफना दिया था। वहीं, ग्रामीणों ने आनर किलिंग की आशंका जताई है। एडीसीपी दक्षिणी शशांक सिंह ने बताया कि शव को खुदवाने के लिए मजिस्ट्रेट से पत्राचार किया जा रहा है। उनकी अनुमति के बाद जहां शव दफनाने की बात किशोरी का पिता बता रहा है वहां खुदाई कराई जाएगी। पुलिस ने आरोपित पिता को फिरलहाल हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। एडीसीपी के मुताबिक युवक का उसकी पत्नी से मार्च में पहले झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद उसकी पत्नी नाराज होकर मायके चली गई थी। 19 मार्च को वह मायके से लौट कर आयी। बेटी को घर में न देख उसने पति से पूछताछ की। इस पर युवक ने कहा कि वह भाग गई कहीं। महिला ने अपने मायकेवालों को बुलवाया। सभी ने नाराजगी जताई और पूछताछ की फिर भी वह यही कहता रहा। इसके बाद महिला बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए पति और मयाकेवालों को लेकर थाने पहुंची। उसने पति पर हत्या करने की आशंका जताई। थाने में पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो युवक टूट गया। उसने बताया कि बेटी किसी लड़के से फोन पर बात कर रही थी। मना करने पर भी वह नहीं मानी। उसे डांटा और पीटा। इससे नाराज होकर उसने छह मई को फांसी लगा ली। इससे डर गया था रात में उसका शव घर में दफना दिया। गलने के लिए उसमें नमक भी डाल दिया था। एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ जारी है, जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जो भी तथ्य मिलेंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव खत्म होने के बाद बिजली सस्ती होगी या महंगी?

उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग को भेजा प्रस्ताव

अमन लेखनी समाचार

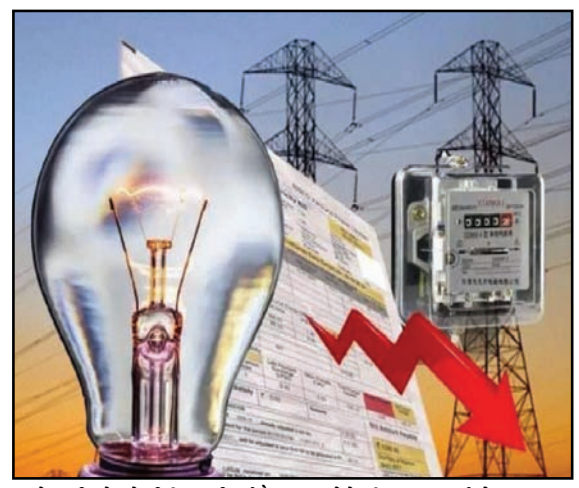

लखनऊ। विद्युत नियामक आयोग जल्द बिजली की दरों का निर्धारण करेगा। चुनाव खत्म होने के बाद इस बार उम्मीद जताई जा रही है कि बिजली महंगी की जाएगी। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आयोग को प्रस्ताव भेजा है कि वह आगे पांच साल तक आठ प्रतिशत सस्ती बिजली दी जाए, क्योंकि उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपये बिजली कंपनियों पर बकाया है। ऐसे में इस बकाया धनराशि का पांच वर्षों में समायोजन कर उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात की और मांग की कि बिजली महंगी न की जाए। यह बकाया धनराशि नियामक आयोग की ओर से ही निकाली गई है, ऐसे में वह बिजली उपभोक्ताओं के साथ न्याय करे। आखिर उनकी जेब पर बेवजह बोझ क्यों डाला जाए जबकि बिजली कंपनियां खुद उपभोक्ताओं की बकायेदार हैं। वहीं, उन्होंने फिक्स चार्ज के नाम पर उपभोक्ताओं से की जा रही वसूली भी बंद किए जाने की भी मांग की। जब बिजली कंपनियों का सिस्टम 24 घंटे बिजली देने लायक हो जाए तभी फिक्स चार्ज वसूला जाए।

शातिर चोर बाइक समेत गिरफ्तार,भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। पुलिस ने मगंलवार को एक शातिर चोर को सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र के अर्जुनगंज से चार दिन पहले चुराई बाइक के साथ गिरफ्तार किया।पुलिस ने शातिर चोर पर बरामदी की धारा में मुकदमा?दर्ज कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया मगंलवार को भागूखेड़ा चौकी इंचार्ज अवनीश कुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ रतौली से भागूखेड़ा वाले मार्ग पर वाहनो की चेकिंग कर रहे थे तभी पुलिस टीम को देखकर एक सदिंग्ध बाइक मोड़ कर मौके से भगाने लगा,पुलिस टीम ने पीछा कर बाइक समेत युवक को दबोच कर थाने लाकर कड़ाई से पुछताछ की तो उसने अपना नाम मनोज प्रजापति निवासी मौरंगमंडी,ट्रांसपोर्टनगर,लखनऊ बताया ओर बीते 1मई को सरसवा, अर्जुनगंज में एक घर के सामने से चुराने की बात कबूली।जिसके बाद पुलिस ने बाइक मालिक अनुराग सिंह का पता कर उन्हे चोरी हुयी बाइक मिलने की जानकारी दी।पुलिस ने शातिर चोर पर बरामदगी की धारा में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति को पीटा, दी धमकी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति की पीटाई करने के साथ उसे जान से मारने की धमकी दे फरार हो गई। वही आरोपी पत्नी व उसके प्रेमी की करतूतें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित टेढी पुलिया निवासी रितुराज उर्फ बबलू पुत्र राजनाथ यादव की अनुसार सोमवार शाम करीब छह बजे 1 लाख 45 हजार पानी का कार्य करने के लिए ले जा रहा था। उस दौरान उसकी पत्नी प्रियका वर्मा ने अपने प्रेमी विशाल अहूजा संग मिलकर उसे कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित पूरन नगर में रोक गाली गलौज कर मारपीट करने लगी तो वह अपनी जान बचा एक गली में जान बचाने के लिए भागा लेकिन उसकी पत्नी प्रियंका ने प्रेमी विशाल संग उसे स्कूटी से दौडा पकड पिटाई करने के साथ वहाँ मौजूद एक आंकल के विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दे फरार हो गए। घटना की सारी करतूतें एक मकान में लगलगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वही पीड़ित का आरोप है कि उसने वर्ष 2015 में प्रियका वर्मा से शादी की थी । लेकिन वह शादी के बाद उसके घर से ज्वैलरी लेकर अपने प्रमी विशाल अहूजा के पास चली गई और वही रह रही है एक महीना पहले थाना मानक नगर में उसका और पत्नी के बीच फैसला हुआ था लेकिन उसकी पत्नी अपने प्रेमी संग उसके पीछे पडी हुई है और आए दिन विवाद करती रहती है जिसके चलते उसने अपनी पत्नी व उसके प्रेमी के खिलाफ नामजद शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर गाली गलौज, मारपीट धमकी की धारा में ऋकफ दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एयरपोर्ट पर क्रेन खराब हो जाने से आने - जाने वाली उड़ानों का संचालन रहा बाधित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट स्थित टर्मिनल 3 पर चल रहे निर्माण कार्य में लगी बड़ी क्रेन खराब हो जाने से मंगलवार को लखनऊ एयरपोर्ट आने - जाने वाली उड़ानों का संचालन बाधित हो गया। विमान संचालन पर रोक लगाई जाने से यात्रियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से करीब 8:30 घंटे तक विमानों का संचालन ठप रहा। बाद में मैकेनिकों ने क्रेन की खराबी दूर की, तब विमानों का संचालन पुनः शुरू हो सका। बताते चलें कि लखनऊ एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर चल रहे निर्माण कार्य में लगी बड़ी क्रेन मंगलवार सुबह करीब 7 बजे अचानक खराब होकर काफी ऊंचाई पर रुक गई। क्रेन की बीक (चोंच) काफी ऊंचाई पर हवा में अटक जाने से विमान संचालन में दुर्घटना होने का खतरा बन गया। मंगलवार सुबह 6:25 बजे लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या (6ई 505) अपने निर्धारित समय 6:25 बजे के बजाय करीब 40 मिनट देरी से 7:07 बजे उड़ान भर सकी। इसी के बाद क्रेन खराब होने पर विमान और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एयरपोर्ट प्रशासन ने विमान संचालन पर रोक लगा दी। बाद में क्रेन को ठीक करने के लिए इंजीनियरों को बुलाया गया, जो कई घंटे तक कड़ी मशक्कत कर उसे ठीक करने में लग रहे। अपराह्न करीब 3:30 बजे क्रेन ठीक हुई और काफी ऊंचाई पर रुकी उसकी बीक को नीचे किया गया। इसके बाद विमान का संचालन पुनः शुरू किया जा सका। क्रेन खराब होने से इस दौरान संचालन रोके जाने के कारण लखनऊ एयरपोर्ट से अहमदाबाद, मस्कट, दिल्ली, मुंबई, दुबई, नागपुर, अमृतसर, रायपुर, रियाद और गुवाहाटी आदि स्थानों पर आने-जाने वाली उड़ानें बाधित हुई। बताते चलें कि रनवे के मेंटेनेंस की वजह से रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक वैसे ही उड़ानों का संचालन काफी पहले से बन्द है। इसकी जानकारी पूर्व में ही सभी एयरलाइंस को दी जा चुकी है। मंगलवार को हुए इस घटनाक्रम के कारण सुबह पुणे से लखनऊ आने वाली इंडिगो के विमान को वाराणसी, मस्कट से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली, सऊदी से आने वाले विमान को दिल्ली, दुबई से फ्लाई दुबई के जरिए लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली, इंडियन एक्सप्रेस के दम्माम से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली, एयर इंडिया एक्सप्रेस के दिल्ली से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली, मुंबई से लखनऊ आने वाले विमान को वाराणसी, जयपुर से लखनऊ आने वाले विमान को डाइवर्ट करने के साथ ही कोलकाता से लखनऊ आने वाले विमान को वाराणसी, शारजाह से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली, सऊदी से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली, रियाद से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार टर्मिनल 3 में निर्माण कार्य के लिए लगी बड़ी क्रेन अचानक हवा में रुक गई थी। इसके कारण विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ में दिक्कत होने की संभावना थी। इसी वजह से लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान का संचालन रोक दिया गया था। उधर एयरपोर्ट प्रवक्ता का कहना है कि इस बीच एयरलाइन्स ऑपरेटर, एएसजी और अन्यहित धारकों के सहयोग से हवाई अड्डे ने यात्रियों के बैठने की अतिरिक्त व्यवस्था कर दी थी। साथ ही यात्रियों को जलपान और पानी भी उपलब्ध कराया गया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यादव लैंड में खूब बहाया था पसीना

● यूपी में यादवों को नहीं साध सके मोहन यादव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मध्य प्रदेश में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की चौतरफा तारीफ हो रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में वह कुछ कमाल नहीं दिखा सके। मोहन यादव को विशेष तौर पर यूपी में स्टार प्रचारक के तौर पर उतारा गया था। उन्होंने प्रदेश में करीब दो दर्जन जनसभाएं कीं, रणनीति के तहत उनके ज्यादातर कार्यक्रम व सभाएं यादव लैंड में हुए लेकिन परिणाम के मोर्चे पर वह कुछ कमाल नहीं दिखा सके। मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाराणसी सीट के साथ ही लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी और यादव लैंड से जुड़ी तमाम सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के लिए पसीना बहाया। इनमें इटावा, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कन्नौज, बदायूं, आजमगढ़, फैजाबाद, संतकबीर नगर, बलिया, कुशीनगर, संभल, बदायूं, गाजीपुर व महाराजगंज प्रमुख रहे।

...तो इसलिए हार गए भाजपा के 26 सांसद, काश पार्टी ने सुनी होती विधायकों की बात!

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में उतरे भाजपा व सहयोगी दलों के 26 सांसद मतदाताओं की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए, जबकि 21 सांसदों पार्टी की उम्मीद के अनुरूप ही जीत दर्ज कर सके। आधे से अधिक सांसदों की हार ने प्रदेश में भाजपा को बड़ा झटका दिया है। पार्टी को चुनावी मैदान में उतरे अधिकतर सांसदों की पांच वर्षों की निष्क्रियता का खामियाजा उठाना पड़ा है। भाजपा ने अपने 47 सांसदों को टिकट दिया था। भाजपा के खराब प्रदर्शन की सबसे बड़ी वजह सांसद ही बने। अधिकतर से मतदाता नाराज थे। इसके बाद भी भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर 21 ने जीत दर्ज की है।

विधायकों ने किया था टिकट का विरोध

चंदौली से हारे महेंद्र नाथ पांडेय भारी उद्योग मंत्री होने के बाद भी क्षेत्र में कोई बड़ा प्रोजेक्ट लाने में सफल नहीं हो सके। पांडेय से मतदाताओं की ही नहीं भाजपा के विधायकों की भी अंदरखाने नाराजगी थी। भाजपा विधायक उन्हें टिकट देने का विरोध भी किया। इसी तरह, अजय मिश्रा टेनी को लेकर भी खीरी लोस क्षेत्र में विधायकों व मतदाताओं में नाराजगी थी। इसके बाद भी पार्टी ने खीरी से चुनावी मैदान में उतार दिया था। यही हाल अमेठी की सीट का भी था। स्मृति इरानी को लेकर भी मतदाताओं में नाराजगी थी। बस्ती से हरीश द्विवेदी को फिर टिकट देने का भी वहीं के विधायक विरोध कर रहे थे।

इस सीटों पर सफल रहा प्रयोग

भाजपा का सात सीटों पर टिकट बदलने का प्रयोग सफल रहा है। इनमें बहराइच, बरेली, देवरिया, कैसरगंज, मेरठ, फूलपुर व पीलीभीत की सीटें शामिल हैं। बहराइच से आनंद कुमार गौड़, बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार, देवरिया से शशांक मणि, कैसरगंज, से करण भूषण सिंह, मेरठ से अरुण गोविल, फूलपुर से प्रवीण पटेल व पीलीभीत से जितिन प्रसाद ने जीत दर्ज की है।

विधायकों के विरोध को भाजपा ने गंभीरता से नहीं लिया

लोस के चुनावी मैदान में अपने सांसदों को उतारने से पहले संबंधित विधानसभा सीटों से पार्टी के विधायकों के विरोध को भाजपा ने गंभीरता से नहीं लिया। सीतापुर से भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए राकेश राठौर ने भाजपा उम्मीदवार को हराया। राठौर इस सीट से विधायक रहे हैं। धौरहरा में भी रेखा वर्मा को लेकर भाजपा के विधायक एकमत नहीं थे।

मोदी के नाम पर जीत का सपना बना हार का कारण

भाजपा के अधिकतर सांसद पिछले चुनावों की तरह ही इस बार भी मोदी के नाम पर चुनाव जीतने का सपना देख रहे थे। पांच वर्षों में जनता के बीच में रहने की बजाय सांसदों ने उनसे दूरी बनाए रखी। इसके चलते 26 सांसदों को हार का मुंह देखना पड़ा।

भाजपा के हारे हुए सांसदों की लिस्ट

भाजपा के हारने वाले सांसदों में फतेहपुर से निरंजन ज्योति, मोहनलालगंज से कौशल किशोर, मुजफ्फरनगर से संजीव कुमार बलियान, आंवला से धर्मेंद्र कश्यप, आजमगढ़ से दिनेश लाल निरहुआ, बांदा से आरके सिंह पटेल, बस्ती से हरीश द्विवेदी, चंदौली से महेंद्र नाथ पांडेय, धौरहरा से रेखा वर्मा हारी। एटा से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह, इटावा से रामशंकर कठेरिया, फैजाबाद से लल्लू सिंह, जालौन से भानु प्रताप सिंह वर्मा, कैराना से प्रदीप कुमार, कन्नौज से सुब्रत पाठक, कौशांबी से विनोद सोनकर, मछलीशहर से बीपी सरोज, प्रतापगढ़ से संगम लाल गुप्ता, रामपुर से धनश्याम लोधी, सलेमपुर से रवींद्र कुशवाहा, संत कबीर नगर से प्रवीण कुमार निषाद, सीतापुर से राजेश वर्मा व सुल्तानपुर से मेनका गांधी तथा हमीरपुर से पुष्पेंद्र सिंह शामिल हैं।

मायावती की बेचैनी बढ़ाने वाली है चंद्रशेखर की जीत

आकाश आनंद की आक्रामकता भी नहीं दिखा पाई असर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नगीना लोकसभा सीट से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर आजाद की जीत बसपा की बेचैनी बढ़ाने वाली है। पिछले चुनाव में इस सीट पर बसपा का सांसद चुना गया था लेकिन इस बार पार्टी चौथे पायदान पर पहुंच गई। चंद्रशेखर ने 5,12,552 मत हासिल किए जबकि बसपा को सिर्फ 13,212 वोट मिले। यह स्थिति तब रही जब बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे और पार्टी के तत्कालीन नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने छह अप्रैल को अपनी पहली चुनावी सभा नगीना में ही की थी।

संक्षेप

धोखाधड़ी कर बैंक से निकाला रुपिया मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। दूसरे की फर्जी पासबुक लेकर बैंक आए युवक ने उसके फर्जी हस्ताक्षर बनाकर उसके खाते से एक लाख नब्बे हजार रूपए निकाल लिया मामले में शाखा प्रबंधक ने सी सी टी वी कैमरा व अन्य माध्यम से जांच कर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया बीघापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा बीघापुर में आर्यावर्त ग्रामीण बैंक की शाखा से खाता धारक सुनील कुमार पुत्र गंगा विष्णु निवासी बगहा पोस्टर कुलहा की फर्जी पासबुक लेकर दूसरे युवक ने सुनील कुमार के विड्राल फार्म में फर्जी हस्ताक्षर बनाकर बैंक से रूपया 190000 निकाल लिया जब सुनील कुमार पुत्र गंगा विष्णु अपना पैसा जमा करने बैंक गया तब उसने अपनी पासबुक को अपडेट कराया तो पता चला कि खाते से एक लाख नब्बे हजार रुपया निकाल लिए गए हैं खाता धारक ने शाखा प्रबंधक से शिकायत करने पर शाखा प्रबंधक ने सीसीटीवी व अन्य माध्यमों से जांच करने पर पता चला कि सुनील कुमार के द्वारा पैसा नहीं निकाला गया बल्कि उनकी फर्जी पासबुक एक सूरत नाम के व्यक्ति द्वारा ला कर पैसा निकाल लिया गया विड्रोल पर दस्तक बनाए गए वह भी फर्जी हैं शाखा प्रबंधक ने संबंधित थाना पुलिस में तहरीर देकर सूरत नाम के व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया

महिला ने मारपीट का दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के न्यामतपुर निवासिनी जयदेवी पत्नी विनोद ने कोतवाली में प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया कि बीते शुक्रवार की शाम उसका पति जो कि काम करने गया था और पति की नामौजूदगी का फायदा उठाकर कर गाँव के ही रामबाबू व राजेंद्र पुत्रगण छोटा उसके पति को गंदी गालियां दे रहे थे उसने बाहर आकर विरोध किया तो दोनों ने अपनी पत्नी व बेटी समेत उस पर हमला बोल दिया और जमकर मारा पीटा बचाने गई पड़ोसन से भी गाली गलौज किया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले । प्रार्थना पत्र दिए जाने के करीब तीन दिन बाद पुलिस ने नामजद राजेंद्र व उसकी पत्नी सुन्दरा व बेटी नीलम और भाई रामबाबू और उसकी पत्नी नीलम पर मारपीट व गालीगलौज समेत जान से मारने की धमकी देने समेत कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

भाजपा प्रत्याशी ने सपा प्रत्याशी को 37 190 वोटों से किया पराजित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद की लोक सभा सीट पर काउंटिंग खत्म हो गई। बीजेपी प्रत्याशी और मौजूदा सांसद साक्षी महाराज ने हैट्रिक लगाई है। सपा प्रत्याशी अन्नू टण्डन को 37 हजार 190 वोटों से पराजित किया साक्षी महाराज ने कहा, जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी और अपने जनपद की यशस्वी जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद किया और कहा कि हमारी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने मुझ पर विश्वास किया और उन्नाव की जनता ने मुझ पर विश्वास किया। पूरी ईमानदारी के साथ 5 साल सेवा करने का काम करूंगा। उन्नाव की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, जिसने मेरा सम्मान बढ़ाया है और पार्टी का सम्मान बढ़ाया है। जो स्थितियां उत्तर प्रदेश में बनी हैं किन कारणों से बनी हैं इसकी समीक्षा की जाएगी। इस स्थिति में भी मेरी जीत हुई है। इसके लिए उन्नाव की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। जनता का प्यार मेरे साथ है इतनी बड़ी जीत जनता ने मुझे प्रदान की है, उसके लिए मैं सदैव आभारी रहूंगा जिला अधिकारी गौरांग राठी ने सांसद साक्षी महाराज को जीत का प्रमाण पत्र दिया मतगणना केंद्र के बाहर पुलिस पदाधिकारी के साथ जवानों की तैनाती बनी रही जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, प्रेक्षक आदि मतगणना के कार्य की मॉनिटरिंग करते रहे इस मौके पर कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसको लेकर भी जिला प्रशासन चौकस बना रहा शहर के हाईवे से लेकर एफसीआई गोदाम तक पुलिस जवानों की तैनाती बनी रही तथा शहर में पुलिस गश्त बराबर होती रही मतगणना केंद्र जाने वाले रास्तों पर लगाए गए बैरियर से उन्हीं वाहनों को प्रवेश दिया गया जो अधिकृत थे। पुलिस जवानों के साथ-साथ महिला जवानों की भी जगह-जगह तैनाती बनी रही मतगणना के परिणाम घोषित होने के बाद शहर में किसी तरह का तनाव न हो इसको लेकर भी प्रशासन चौकस और सतर्क रहा कुल मिला कर शांतिपूर्ण माहौल में मतगणना कार्य

संपन्न कराने को जिला प्रशासन ने कमर कस ली थी अन्दर बाहर की सुरक्षा एएसपी संभाले रहे काउंटिंग में किसी प्रकार सुरक्षा मे कोई समस्या न आये इसके लिए जिले के दोनों अपर पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा की कमान सौंपी गई थी गोदाम के बाहर की व्यवस्था एएसपी अखिलेश सिंह उत्तरी संभाले रहे और एफसीआई गोदाम के भीतर की व्यवस्था एएसपी दक्षिणी प्रेम चन्द्र को दी गई थी दोनों अफसर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे साथ ही इसकी मॉनिटरिंग एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा खुद करते रहे जिला निर्वाचन के साथ दो ऑब्जर्वर मौजूद रहे ईवीएम से गिनती के दौरान किसी भी प्रकार की कोई चूक न हो इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही निर्वाचन आयोग ने दो ऑब्जर्वर को नियुक्त किया था जिसमें आईएएस बाबू और सुनीता शामिल है हालांकि चुनाव के दौरान भी आईएएस बाबू की तैनाती रही थी। सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम बनाए गए पहले पोस्टल बैलट, फिर ईवीएम से वोट की गिनती शुरू की गई लोकसभा चुनाव का परिणाम जल्द से जल्द आ सके इसके लिए जिला प्रशासन ने ठोस तैयारियां की थी कुल 6 विधानसभाओं में 84 टेबल बनाई गई है। सुबह आठ बजे से पहले पोस्टल बैलेट के मतों की गिनती शुरू हुई उसके बाद नौ बजे से ईवीएम मशीन से गिनती चालू की गई पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय में की थी यहां सबसे पहले केन्द्र और पीएसी के साथ स्थानीय जनपद का पुलिस बल लगाया गया था सहायक सुरक्षा व्यवस्था की कमान सीओ दीपक कुमार को दी गई थी 4 जून को होने वाली लोकसभा मतगणना को लेकर पुलिस ने यातायात व्यवस्था में कोई समस्या ना हो इसके पहले ही प्लान तैयार कर लिया था एफसीआई दही चौकी में पहुंचने वाले लोगों को प्रत्याशी व एजेन्ट का प्रवेश एफसीआई गोदाम कट से किया गया था ये लोग पुरवा तिराहे से यू टर्न लेकर एफसीआई गोदाम कट से बायें मुड़ें और अन्दर वाहन पार्किंग में खड़ा करके गेट नम्बर-1 से प्रवेश किया मतगणना कर्मी/अधिकारी व मीडिया कर्मी रोडवेज तिराहे कट से जाकर सर्विस लेन से होते हुये मेलोडी पाली प्लास्ट फैक्ट्री वाले रास्ते से अन्दर गए और अपनी नियत पार्किंग स्थान पर वाहन खड़ा करके गेट नम्बर दो से प्रवेश किया वही मतगणना स्थल पर प्रत्याशी व एजेन्ट का प्रवेश एफसीआई मेन से गेट से किया गया लेयर में मतगणना स्थल की सुरक्षा मतगणना स्थल पर थ्री लेयर की सुरक्षा के चक्रव्यूह को इनर काडर, मिडिल काडर और आउटर काडर में बांट दिया गया था इनर काडर में पैरामिलिट्री फोर्स लगी रही मिडिल काडर में पी ए सी के जवान तैनात रहें और आउटर काडर में सिविल पुलिस की तैनाती की गई थी।

मासूम की हत्या कर शव बोरी में डालकर भुसे के बंगले में फेंका

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी उन्नाव। थाना क्षेत्र के ग्राम गोदरी में सोमवार की शाम एक अबोध बालक की हत्या कर दी गई। खोजबीन पर गांव के ही एक भूसे के बंगले में उसका शव बरामद हुआ है।पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर डाक्टरी परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भेजा है। जानकारी के अनुसार फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव गोंदरी निवासी दिनेश कुमार का 4 वर्षीय बेटा अछत उर्फ ढोलू सोमवार की शाम को रहस्यमय रूप से गायब हो गया था। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी।जिसके बाद पुलिस और परिजनों कि काफी खोज बीन के बाद वह बालक मृत रूप में गांव के ही सुरेश के भूसे के बंगले में बोरी के अंदर मिला। बालक के मुहँ में कपड़ा ठूसा गया था और दोनों हांथ बंधे हुए थे। बेटे अछत उर्फ ढोलू का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक का पिता घर पर नहीं था वह गुजरात में रहकर किसी कंपनी में काम करते है। दिनेश कुमार कि शादी करीब 6 साल पूर्व हुई थी। बेटा मृतक अछत कुमार अपने माता पिता की इकलौती सन्तान था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में पुलिस ने गांव के ही कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही हैऔर आगे कि विधिक कार्यवाही की जा रही है।

करंट की चपेट में आने से अधेड़ महिला की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के ओंता गांव में संदिग्ध परिस्थितियों के चलते अपने कछवारे में लगी तारबाड़ी में आ रहे करंट की चपेट में आने से एक अधेड़ महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतक महिला के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही उपरांत पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतू शव विच्छेदन ग्रह भेजा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राठ कोतवाली क्षेत्र के ओंता गांव की निवासी 50 वर्षीय महिला गीता पत्नी कमला कुशवाहा जो कि अपने घर में अकेली रहती थी तथा महिला गीता का पति और उसके दोनों पुत्र इटावा में संचालित ईंट भट्टों में मजदूरी करने के लिए गए हुए थे। महिला गीता अपने घर के पास सब्जी बागवानी लगा कर अपना भरण पोषण करती थी । मंगलवार के रोज अपराह्न के समय बागवानी में लगी तारबाड़ी में आ रहे करंट की चपेट में आने से वह है अचेत होकर गिर पड़ी जिसके बाद जानकारी होने पर परिवार के लोग उसे तत्काल राठ अस्पताल में लेकर पहुंचे जहाँ चिकित्सकों ने महिला गीता को मृत घोषित कर दिया।

मृतका के परिजनों ने बताया कि मृतका गीता खेत में सब्जी का उत्पादन कर अपना भरण पोषण करती थी जो कि अपने पीछे पति कमला के अलावा पुत्र राजेंद्र और जागे प्रसाद को रोता बिलखता हुआ छोड़ गई है। मामले में राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक महिला के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा मामले में आवश्यक कार्यवाही कराई जाएगी।

भाजपा के सांसद साक्षी महाराज की जीत पर कार्यकर्ताओ ने कराया एक दूसरे का मुंह मीठा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। लोकसभा चुनाव के आए परिणाम में जनपद से लगातार तीसरी बार भाजपा के फायर ब्रांड नेता डॉक्टर सच्चिदा नंद हरि साक्षी महाराज के विजयश्री प्राप्त करने पर भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कर जीत की खुशी मनाई। सफीपुर कस्बे के एक गेस्ट हाउस में भाजपा कार्यकताओं में खुशी का माहौल देखने को मिला जहां चेयरमैन पति सौरभ बाजपेई राजा बेटा₹ ने जनपद से तीसरी बार सांसद चुने गए साक्षी महाराज की जीत की खुशी में एक दूसरे को लड्डू खिला मुंह मीठा कर खुशी जाहिर की।

इस दौरान प्रमुख रूप से ओमप्रकाश गुप्ता किरन विनोद मिश्रा, बीरेंद्र मिश्र, इन्नू लोधी, लोटन राजपूत, कमलेश मिश्र, प्रतीक दीक्षित, टीका आदि समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

अज्ञात कारणों से घर में लगी आग हजारों की गृहस्थी जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगल खुर्द मजरे जालापुर के एक घर मे अज्ञात कारणों से लगी आग से सब कुछ जलकर स्वाहा हो गया। गाँवो वालो की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

जंगल खुर्द निवासी कमल कुमार गौतम पुत्र रामस्वरूप गौतम के घर मंगलवार दोपहर छप्पर में आग लग गयी। आग लगने के दौरान घर के सदस्य पास में ही टी वी पर चुनावी रुझान देख रहे थे। तेज हवा चलने के कारण आग ने अपना रुद्र रूप अपना लिया। आग लगने का जैसे ही घरवालों को पता चला उनके होश उड़ गए। आनन -फानन में पड़ोस में लगे समरसेबलो से पानी लाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया । आग बुझ तो गयी परन्तु घर मे रखी मोटरसाइकिल, दो सायकिल, बिस्तर, कपड़े, गृहस्थी का सामान सहित नगद दस हजार रुपये भी जल गए। क्षेत्रीय लेखपाल को सूचित किया गया परन्तु खबर लिखे जाने तक लेखपाल द्वारा नुकशान का आकलन नही किया जा सका था।

नरेश बने नरेश जनपद से विदा हुई खटारा

फतेहपुर लोकसभा सीट में सपा का रहा दबदबा ,बीजेपी की हैट्रिक रुकी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में लोकसभा चुनाव के परिणाम में नरेश उत्तम पटेल ने जीत हासिल किया नरेश उत्तम पटेल समाजवादी पार्टी का फतेहपुर से प्रत्याशी के रूप में नेतृत्व कर रहे थे जबकि यह उसके पहले समाजवादी पार्टी से प्रदेश अध्यक्ष रहे थे मोदी लहर के दम को तोड़ते हुए जनपद में अपनी लोकप्रियता का विश्वास बनाकर इस चुनाव में लगभग 33757 मतो से विजय हुई नरेश उत्तम पटेल फतेहपुर जनपद के लहुरी सराय पोस्ट बुढवां तहसील बिंदकी जनपद फतेहपुर के रहने वाले है उनके विजय की खबर से समाजवादी परिवार में खुशी की लहर है वही तीसरी बार जीत की हैट्रिक का दावा करने वाली साध्वी की हैट्रिक रुकी उन्होंने कहा कि मैं अपने सभी मतदाताओं व पार्टी के कार्यकर्ताओ को आभार व्यक्त करती हु वही भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति ने हार स्वीकार करते हुए कहा की यह हार भीतरघात की वजह से हुई है मैं ऐसे लोगो को चिन्हित करके संघठन में शिकायत करूंगी

संदिग्ध परिस्थितियों में 23 वर्षीय युवक का शव खेत में मिलने से मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। जरिया थाना क्षेत्र के सरीला कस्बे के पास स्थित खेतों में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की शिनाख्त राठ कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव के निवासी युवक के रूप में हुई है। घटना की जानकारी लगते ही मृतक युवक के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही उपरांत पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतू शव विच्छेदन ग्रह भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राठ कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी 23 वर्षीय युवक निरंजन पुत्र वीरेंद्र बीती शनिवार के रोज अपनी दो सालियों के विवाह में सम्मिलित होने के लिए अपनी ससुराल ग्राम दांदौ गया हुआ था। बताया जा रहा है शादी ससुराल से निकलने के बाद उसका कुछ भी पता नहीं चल सका। जिसके बाद उसका शव जरिया थाना क्षेत्र के सरीला के पास स्थित खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक युवक निरंजन के परिजनों ने जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत होने की आशंका जताई है। परिजनों ने बताया कि मृतक निरंजन अपने पिता की छह बीघा कृषि भूमि में खेती किसानी और पशुपालन आदि कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। जो कि अपने पीछे पत्नी नेहा के अलावा 3 वर्षीय पुत्र आर्यंश व बड़े भाई अरविंद को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। मामले में जरिया थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही कराई जाएगी।

जालौन गरौठा भोगनीपुर संसदीय क्षेत्र से नारायणदास अहिरवार ने जीता चुनाव

भाजपा प्रत्याशी भानुप्रताप वर्मा को 45232 वोटो से दी मात

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

झांसी। जालौन गरौठा भोगनीपुर संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन की ओर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बनाए गए नारायणदास अहिरवार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा को 45232 मतों से हराकर जीत हासिल की है। बता दे की भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भानुप्रताप वर्मा जालौन गरौठा भोगनीपुर सीट से लगातार पांच बार सांसद रह चुके है और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री भी है।कयास लगाया जा रहा था की यह सीट फिर से भाजपा के पाले में जा सकती है। लेकिन इंडिया गठबंधन से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बनाए गए नारायणदास अहिरवार ने सभी को चौंकाते हुए इस सीट पर जीत का परचम लहराया और भानुप्रताप वर्मा की लगातार छठवीं जीत पर विराम लगा दिया। मतगणना शुरू होने के बाद से प्रथम चक्र में ही समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार ने बढ़त बना ली जो लगातार अंत तक जारी रही। नारायणदास अहिरवार को कुल 420423 वोट मिले जबकि भानुप्रताप वर्मा को 375191 मतों से ही संतोष करना पड़ा। विजयी प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार ने जनता को और पार्टी कार्यकताओं को जीत का श्रेय दिया है। वही भानुप्रताप वर्मा ने बहुजन समाज पार्टी को अपनी हार का कारण बताया। उन्होंने कहा की बहुजन समाज पार्टी अपना वोट नही ले पाई है जिस कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

घर में घुसकर मारपीट में चार नामजद

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। घर के बाहर बैठे युवक पर चार लोगों ने लाठी डंडे हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसपर पुलिस ने चार लोगों पर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मदारपुर निवासी साहिल खान पुत्र मुजीब खान ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि मंगलवार की सुबह वह अपने घर के दरवाजे पर बैठा था तभी गांव के सईद उर्फ बच्चा, तौजीब, अरशद और छोटा बाबू अपने हाथ में लाठी डंडे लेकर आए और उसके ऊपर ताबड़तोड़ लाठी डंडे से हमला कर लहूलुहान कर दिया जिससे उसके गंभीर चोंटे आने के साथ ही उसका हाथ भी टूट गया है।पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वहीं पीड़ित ने बताया कि बीते कुछ समय पहले पैसों के लेनदेन को लेकर गांव के लोगों से इनका विवाद हुआ था जिसपर वह पक्षकार की भूमिका में था तभी से उक्त लोग उससे रंजिश मानते हैं।और इसी को लेकर उक्त लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

चांदपुर में इलाज के दौरान 10 वर्षीय बालक की मौत

- कार और बाइक की टक्कर में घायल हुआ था, घायल पिता का भी चल रहा है इलाज

अमन लेखनी समाचार

चाँदपुर, चांदपुर में कार और बाइक की टक्कर में घायल एक दस वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। एक हफ्ते पहले पिता के साथ बाइक पर कार की जोरदार टक्कर में घायल हुए था। मृतक बालक के पिता का हायर सेंटर में इलाज चल रहा है। अस्पताल से शव लेकर थाने पहुंचे परिजनों ने कार चालक के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्यवाही में जुट गई है। दरअसल घटना बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के चांदपुर - हस्तिनापुर मार्ग की है जहां 27/5/24 को गांव सुल्तानपुर निवासी अशरफ अपनी पत्नी इमराना व दस वर्षीय बालक अर्श के साथ गांव सुल्तानपुर से चांदपुर की ओर जा रहा था गांव कुतुबपुर गावड़ी के पास पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलवाने के लिए रुककर उसने अपनी पत्नी इमराना को बाइक से उतार दिया ओर बेटे अर्श सहित बाइक में पेट्रोल डलवाने पेट्रोल पंप पर पहुंच गया।जब वह पेट्रोल डलवाकर मैन रोड चांदपुर - हस्तिनापुर मार्ग पर आया तो तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक चालक अशरफ व उसका बेटा अर्श गंभीर रूप से घायल हो गया उसकी पत्नी इमराना ने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद परिजन दोनों को अस्पताल ले गए उसके बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया जहां आज दस वर्षीय बालक अर्श पुत्र अशरफ की इलाज के दौरान मौत हो गई है जिसके बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर कार चालक के खिलाफ नामजद तहरीर दी है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वही अभी मृतक के पिता अशरफ का ईलाज जारी है

सम्पादकीय

जीडीपी की सबसे तेज दर आर्थिक मजबूती के संकेत

एक जून को आम चुनाव के सातवें व अंतिम चरण के चुनाव हैं, जिसमें 57 सीटों पर मतदान होगा, चुनाव से पहले कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में पीएम नरेंद्र मोदी के ध्यान को लेकर विपक्ष की राजनीति भी तेज है, कांग्रेस मामले को लेकर अदालत पहुंच गई है, इस सियासी पारे के बीच मतदान से ठीक एक दिन पहले आर्थिक मोर्चे पर शानदार खबर आई है। पूर्व के सभी अनुमानों को ध्वस्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की दर रफ्तार भरी है। अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, पहली तिमाही अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी, दूसरी तिमाही जुलाई- सितंबर में 7.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही अक्टूबर- दिसंबर में 8.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत रही थी। मूडीज, फिच, एसएंडपी, नोमुरा, रिजर्व बैंक, आईएमएफ आदि दिग्गज वित्तीय संस्थानों ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी दर सात से आठ फीसदी के बीच रहने का अनुमान लगाया था। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च 2023 की जीडीपी वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत थी। जीडीपी निश्चित अवधि में देश की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को बताता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी। भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत रही। अमेरिका की जीडीपी में सुधार हुआ है, पर वह भी 3 फीसदी से नीचे है। इस वक्त भारत की जीडीपी दर सबसे तेज है। हालांकि मूडीज रेटिंग्स ने मजबूत आर्थिक वृद्धि और चुनाव के बाद नीतिगत निरंतरता रहने की उम्मीद पर भारत की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.8 प्रतिशत और 2025-26 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसका मतलब है कि अगले दो वित्त वर्ष के दौरान मौजूदा की तुलना में जीडीपी दर में गिरावट देखने को मिलेगी। चूंकि भारत 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने को संकल्पित है, ऐसे में अगर जीडीपी दर में ढलान आएगी तो लक्ष्य मुश्किल होता जाएगा। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई। मार्च में इन आठ उद्योगों की वृद्धि दर छह प्रतिशत थी जबकि एक साल पहले अप्रैल, 2023 में यह 4.6 प्रतिशत रही थी। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली को बुनियादी उद्योगों में गिना जाता है। इनकी देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सम्मिलित रूप से 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। राजकोषीय घाटा में भी सुधार दर्ज किया गया है। सरकार का राजकोषीय घाटा बीते वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी का 5.63 प्रतिशत रहा। यह केंद्रीय बजट में जताये गये 5.8 प्रतिशत के अनुमान से कुछ कम है। रिजर्व बैंक ने कुछ दिन पहले ही सरकार को दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकार्ड लाभांश दिया है। रिजर्व बैंक ब्रिटिश बैंक में रखे सौ टन सोना वापस लेकर आया है। वित्त मंत्री के मुताबिक, सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट कर 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूबा कर्ज वसूला है। खुदरा व थोक दोनों महंगाई दर नियंत्रण में हैं। साल भर जीएसटी का रिकार्ड कलेक्शन हुआ है। शेयर बाजार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इस तरह देखें तो हमारी अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक मजबूत हुए हैं। चुनावी वर्ष में यह स्थिति सरकार के लिए राहतपूर्ण है।

विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) पर विशेष

पर्यावरण संरक्षण के प्रति वैश्विक स्तर पर एकजुटता जरूरी

भूमि पुनरुद्धार तथा मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता वृद्धि थीम पर मनाया जाएगा दिवस

- मुकेश कुमार शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

कंक्रीट के बढ़ते जंगलों ने आज हमारे पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। इसके चलते जहाँ एक ओर वृक्षों की कटान हुई है वहीँ दूसरी ओर हमारे परम्परागत जल स्त्रोतों का नामोनिशान मिटता जा रहा है। इसके प्रति हम आज सचेत न हुए तो आने वाली पीढ़ी के सामने यह स्थिति बड़ी मुसीबत पैदा करने वाली साबित होगी। इसके सबसे बड़े दुष्परिणाम के रूप में हम आज बढ़ते तापमान का सामना कर ही रहे हैं। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होने के उद्देश्य से ही हर साल पाँच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

हमारी भूमि-हमारा भविष्य नारे के साथ इस साल मनाये जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है- भूमि पुनरुद्धार तथा मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता वृद्धि किया जाना। इसका मूल मकसद भूमि की उर्वरा शक्ति को वापस लाना, मरुस्थलीकरण में कमी लाना और धरती को सूखे की मार से बचाना है। इस दिवस पर आज का सबसे विचारणीय प्रश्न यही है कि हम समय को तो किसी भी तरह से वापस नहीं लौटा सकते लेकिन हम पौधों को रोपकर धरती को गहने के रूप में एक बड़ी सौगात तो दे ही सकते हैं। जलस्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ ही बारिश के पानी का संग्रह तो कर ही सकते हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारी पीढ़ी को बेहतर स्वास्थ्य के रूप में तो मिलेगा ही साथ ही आने वाली पीढ़ी को भी स्वस्थ और समृद्ध बनाने में सहायक साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस भयावह स्थिति का अंदाजा लगाते हुए ही वर्ष 1972 में पाँच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मान्यता दी थी। केवल एक पृथ्वी नारे के साथ इसे पहली बार वर्ष 1973 में मनाया गया, जिसके तहत पर्यावरण प्रदूषण के संभावित जोखिम से वैश्विक स्तर पर लोगों को आगाह किया गया और इससे बचने के उपाय भी सुझाए गए।

पर्यावरण प्रदूषण के चलते आज दुनिया में गम्भीर शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं पैदा हो रही हैं जो कि सामाजिक जीवन को भी प्रभावित कर रही हैं। जल, वायु, ध्वनि, रासायनिक प्रदूषण ने मानव जीवन के समक्ष गंभीर स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ पैदा कर दी हैं। खुली हवा में सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। वायु प्रदूषण के कारण फेफड़ों की बीमारियों के साथ कैंसर, आंखों में जलन, खुजली, साँस के रोग, दमा, खाँसी, ब्रांकाइटिस, नाक से पानी आना, छींकें, हार्ट, किडनी, लिवर सम्बन्धी बीमारियाँ बढ़ रहीं हैं। वातावरण में बढ़ते शोर के कारण बहरापन, उच्च रक्तचाप, सिर दर्द, अनिद्रा, नाड़ी का तेज चलना, हार्ट बीट बढ़ना, सिरदर्द जैसी समस्याएँ पैदा हो रहीं हैं। फलों एवँ सब्जियों पर प्रयोग किये जाने वाले केमिकल, फैक्ट्रियों से निकलने वाले रासायनिक कचरे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की सेहत को बिगाड़ रहे हैं। प्रदूषित पानी के कारण दस्त, गैस्ट्रोएन्टेराइटिस, उल्टी, कोलाइटिस, मियादी बुखार, जॉन्डिस, पेट मे कीड़े, अपच, कब्ज जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे में वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखना हर किसी के लिए नितांत आवश्यक हो गया है, जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण करने में हम सभी सहायक बन सकें।

हमारे जीवन की शुरूआत सांस से होती है और जीवन का अंत भी सांस से ही होता है। इस प्रकार इन्हीं सांसों के बीच जीवनचक्र चलता रहता है। प्राणों को जिंदा रखने के लिए जिस वायु की जरूरत होती है उसका नाम ही है आक्सीजन। इस प्राणवायु से शरीर में प्राण शक्ति मिलती है, इसी प्राण शक्ति से हम सभी क्रियाएं करते हैं। आक्सीजन केवल पौधों, वृक्षों और पर्यावरण से मिलती है। इसलिए केवल पर्यावरण दिवस पर ही नहीं बल्कि हमेशा खुद वृक्षारोपण करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। आज इस दिवस पर सभी को प्रण लेने की जरूरत है कि हम पेड़-पौधों के प्रति संवेदशील बनेंगे, पेड़-पौधों का एहसान मानेंगे की उनकी बदौलत ही हमारी साँसों की डोर सलामत है और केवल पर्यावरण दिवस पर ही नहीं बल्कि जब जहाँ मौका मिला वहां पौध रोपण जरूर करेंगे। इसके साथ ही आज के दिन यह संकल्प भी लेने की जरूरत है कि जन्मदिन-शादी की सालगिरह से लेकर हर समारोह में लोगों को पौधा भेंट करने के साथ ही उसकी उपयोगिता भी भलीभांति जरूर समझाएंगे। पौधों को लगाने के साथ उसकी देखभाल कर पर्यावरण को सुरक्षित बनाने में भागीदार बनेंगे।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर हैं)

विडंबना

पंकज चतुर्वेदी

स्वच्छ पेयजल पर सरकार को संजीदा होना होगा

वैसे तो इंदिरपुरम का वैभव खंड गाजियाबाद में आता है, लेकिन इसकी दिल्ली से दूरी बमुश्किल तीन किलोमीटर है। यहां साया गोल्ड एवेन्यू में दूषित पानी के कारण 762 लोगों को अब तक डायरिया हो चुका है। नहाने से त्वचा रोग के मरीज लगभग हर घर में हैं। हंगामा हुआ, पुलिस आई तो बात सभी के सामने खुल गई। त्रासदी यह है कि इतना हाल हुआ, उसके बाद भी 15 दिन बीत जाने पर वहां साफ पानी का इंतजाम हो नहीं पाया। वैसे तो गाजियाबाद-नोएडा-गुरुग्राम आदि में यह हाल लगभग हर ऊंची इमारतों वाली सोसायटी का है। अधिकांश में जल आपूर्ति भूमिगत जल से है और पीने के जल का आश्रय या तो बोतल बंद पानी से या फिर खुद के आरओ। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम के कोयलारी गांव में कुएं का दूषित पानी पीकर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं, 50 से अधिक लोग डायरिया की चपेट में आ गए। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से भी कई बच्चों के दूषित जल पीने से बीमार होने की खबर है। प्यास के लिए कुख्यात बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले के नयारा गांव में खुले कुएं का पानी पीने से

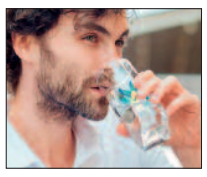

एक बच्ची कि मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के अपने जिले में दूषित जल से एक युवक मर गया, जबकि सैकड़ों बीमार हो गए। एक तरफ देश के हर हिस्से में बढ़ता तापमान समस्या बना है तो उसके साथ गर्मी से राहत का एकमात्र सहारा जल ही जहर बन गया है। देश के अलग-अलग हिस्से अब नल से बदबूदार पानी आने से परेशान हैं। गर्मी में पानी धरती के लिए प्राण है,लेकिन यदि जल दूषित हो तो यह प्राण हर भी सकता है। हमारे विकास के बड़े बड़े दावे कहीं जल जैसी मूलभूत सुविधा के सामने आकर ठिठक जाते हैं। अतीत में झांकें तो केंद्र सरकार की कई योजनाएं, दावे और नारे फाइलों में तैरते मिलेंगे, जिनमें भारत के हर एक नागरिक को सुरक्षित पर्याप्त जल मुहैया करवाने के सपने थे। इन पर अरबों खर्च भी हुए, लेकिन आज भी करीब 3.77 करोड़ लोग हर साल दूषित पानी के इस्तेमाल से बीमार पड़ते हैं। लगभग 15 लाख बच्चे दस्त से अकाल मौत मरते हैं। अंदाजा है कि पीने के पानी के कारण बीमार होने वालों से 7.3 करोड़ कार्य-दिवस बर्बाद होते हैं। इन सबसे भारतीय अर्थव्यवस्था को हर साल करीब 39 अरब रुपये का नुकसान होता है। नेशनल सैंपल सर्वे आफिस (एनएसएसओ) की 76वीं रिपोर्ट बताती है कि देश में 82 करोड़ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक पानी मिल नहीं पा रहा है। देश के महज 21.4 फीसदी लोगों को ही घर तक सुरक्षित जल उपलब्ध है। पूरी दुनिया में, खासकर विकासशील देशों जलजनित रोग एक बड़ी चुनौती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ का अनुमान है कि अकेले भारत में हर रोज 3000 से अधिक लोग दूषित पानी से उपजने वाली बीमारियों का शिकार हो कर जान गंवा रहे हैं। यह भयावह आंकड़े सरकार के ही हैं कि भारत में करीब 1.4 लाख बच्चे हर साल गंदे पानी से उपजी बीमारियों के चलते मर जाते हैं। पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय एजेंसी 'एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली' द्वारा सन 2018 में पानी की गुणवत्ता पर करवाए गए सर्वे के मुताबिक राजस्थान में सबसे ज्यादा 19,657 बस्तियां और यहां रहने वाले 77.70 लाख लोग दूषित जल पीने से प्रभावित हैं। आईएमआईएस के मुताबिक पूरे देश में 70,736 बस्तियां फ्लोराइड, आर्सेनिक, लौह तत्व और नाइट्रेट सहित अन्य लवण एवं भारी धातुओं के मिश्रण वाले दूषित जल से प्रभावित हैं।

कृष्ण योग के सूत्र

संकलित

दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार सिर्फ शरीर का नियमन ही योग नहीं है, बल्कि आत्मा के साक्षात्कार के लिए किया गया हरेक प्रयास योग की श्रेणी में आता है। इसी कारण श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है। वे जनक हैं योग के, धाराएं बहती हैं उनसे योग की, बस जिसको जो आयाम स्पर्श करता है, वह उस आयाम पर अग्रसर हो जाता है। आप जिस योग को योग मानते है, वह पतंजलि योग है। पतंजलि सबसे बड़े वैज्ञानिक है अंतर्जगत के। उनकी पहुंच एक वैज्ञानिक मन की है। उनके पास वैज्ञानिक मस्तिष्क है, लेकिन उनकी यात्रा भीतरी है। किंतु हमारे कृष्ण योगेश्वर हैं । वे दृष्टि देते हैं, स्वतंत्रता देते है, प्रेम और करुणा से आपको भरते है। वे जिससे आपको भरते हैं, वे वह स्वयं ही हैं, इसीलिए कृष्ण का योग धारा बन जाता है, आपसे आपको मिलता है और एक दिन केवल वही ही बचते हैं, आप उनमें मिल जाते हैं। कुछ कृष्ण के योग के पहलू जो केवल हम श्रवण करते हैं, पढ़ते हैं, पर वे सूत्र हैं कृष्ण-योग के 'तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम' अर्थात इससे समत्वबुद्धि योग के लिए ही चेष्टा करो, यह समत्वबुद्धि-रूप योग ही कर्मों में चतुरता है। अर्थात कर्मो में कुशलता को ही योग कहते है। कृष्ण तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं- अकर्म, कर्म और विकर्म। कर्म वे उसे कहते हैं, सिर्फ करने को ही कर्म नहीं कहते। अगर करने को ही कर्म कहें, तब तो अकर्म में कोई जा ही नहीं सकता। फिर तो अकर्म हो ही नहीं सकता। कर्म को कृष्ण ऐसा करना कहते हैं, जिसमें कर्ता का भाव है।

अच्छी बातों को याद कर उसे जीवन में उतारे

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों का पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार

राजकुमार सिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार

हिंदी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही राजनीतिक दलों में प्रधानमंत्री पद के लिए जोड़-तोड़ एवं दावेदारी का सिलसिला पर्दे के पीछे बड़े जोरों से चल रहाहै, एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी अपने बलबूते बहुमत प्राप्त करने में असफल रही लेकिन एनडीए बहुमत प्राप्त करने में सफल रहा है वहां पर स्वाभाविक रूप से पहले से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के नेता हैं, दूसरी ओर प्रतिपक्ष में इंडिया गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में कांग्रेस पार्टी का स्थान है लेकिन उसके बाद समाजवादी पार्टी 37 लोकसभा सीटें जीत कर तीसरे स्थान पर रही है, ऐसे में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री पद के सशक्त स्वाभाविक दावेदार हो सकते हैं ।

वैसे देखा जाए तो सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश ने आजादी के बाद से अधिक समय तक देश को प्रधानमंत्री देने का काम किया है एक समय था जब कहा जाता था कि बिना उत्तर प्रदेश के देश में प्रधानमंत्री बनने का सपना देखना दिवा स्वप्न हो सकता है, लेकिन उसके बाद देश के अन्य राज्यों से भी देश के प्रधानमंत्री बने हैं लेकिन अधिकतर समय में उत्तर प्रदेश राज्य से ही देश के प्रधानमंत्री बनते रहे हैं । समाजवादी पार्टी गांव , खेत, खलिहानों की पार्टी मानी जाती है इसे गरीबों, किसानों तथा नौजवानों के हित संरक्षक के रूप में

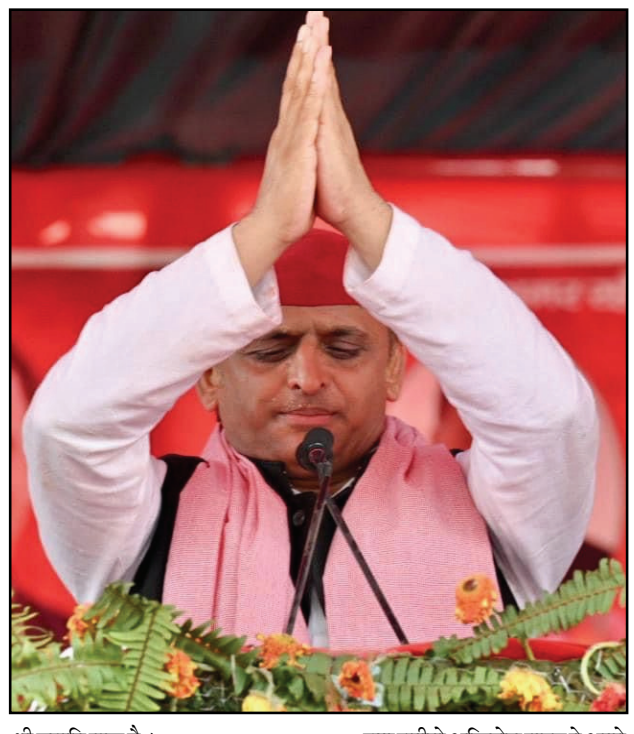

भी ख्याति प्राप्त है ।

समाजवादी पार्टी की जब भी प्रदेश में सरकार बनी है उस समय किसानों और नौजवानों की हित के लिए तमाम तरह के कार्यसमाजवादी पार्टी की सरकार ने किए हैं, सपा के संस्थापक स्व० मुलायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए किसानों के लिए अनेकों हितकारी कार्य किये हैं तथा रक्षामंत्री रहते हुए उन्होंने जवानों के पार्थिव शरीर घरों तक पहुंचाने के लिए भी आदेश पारित किए थे जिसके लिए आज भी सराहनकी जाती है ।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता, छात्रों को लैपटॉप जैसी योजनाओं को चलाकर उनकी आंखों में सुनहरे भविष्य की जो लकीर खींची थी उसको लेकर आज भी छात्र और नौजवान उत्साहित रहते हैं, अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में उत्तर प्रदेश में तमाम ऐसी सुंदर योजनाओं को चला कर प्रदेश को प्रगति केक्षेत्र में एक नई दिशा देने का कार्य किया था, उन्होंने उत्तर प्रदेश में पहला लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे बनाकर विदेश की तर्ज पर एक सुंदर एक्सप्रेसवे का निर्माण किया, इसके अलावा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मेट्रो ट्रेन का संचालन किया इसके साथ ही राजधानी लखनऊ में विश्व स्तरीय इकौना स्टेडियम का निर्माण किया, उनकी ऐसी सुंदर योजनाओं का लाभ प्रदेश के लोग आज भी उठा रहे हैं, अखिलेश यादव में कार्य करने तथा दृढ़ निर्णय लेने के साथ ही उच्च स्तरीय शिक्षा होने के कारण बौद्धिक क्षमता भी है, कुल मिलाकर वह प्रधानमंत्री पद के एक सशक्त दावेदार हैं ।

राजनीति उनको विरासत में मिली है ऐसे में राजनीतिक परिपक्वता एवं दृढ़ता में किसी प्रकार की कमी नहीं है, अखिलेश यादव ने लोकसभा के चुनाव में अपने रणनीतिक कौशल तथा मेहनत की बदौलत जो सफलता प्राप्त की है वह एक उदाहरण है, एक तरफ भारतीय जनता पार्टी की पूरी फौज चुनाव मैदान में कमान संभालेंगे हुई थी तो दूसरी तरफ अखिलेश यादव अकेले ही पूरे प्रदेश में भाजपा की फौज को चुनौती दे रहे थे और उन्होंने उत्तर प्रदेश में 37 लोक सभा सीटें जीतकर साबित कर दिया कि उत्तर प्रदेश में राजनीति के सिकंदर वही है । देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से 37 लोकसभा सीटों को जीतकर अखिलेश यादव प्रधानमंत्री पद के सशक्त दावेदार हैं ऐसे में सभी दलों को विचार करना चाहिए कि एक युवा नेतृत्व को देश की बागडोर सौंप दी जाए जिनके दिल में देश के लिए , देश के नौजवान, गरीब, मजदूर के लिए कार्य करने के लिए उत्सुकता हो ।

(लेखक वरिष्ठपत्रकर हैं)

ट्रेंड

कभी नहीं भूलेंगे

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए पिछले वर्ष 33 देशों के सहयोगियों ने शांति के लिए कीमत चुकाई। आज हमने उन्हें डैग हैमरस्कजॉल्ड मेडल से सम्मानित किया। हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

शरणागति भाव में रहें

अपने अविनाशी स्वरूप का बोध होते ही अज्ञानजन्य दुःख स्वतः ही मिटने लगते है। आत्मज्ञान के साथ शरणागति भाव में रहें। अनन्य शरणागति साधक के मन का परिशोधन व अहंकार का शमन कर एकात्मता का प्रकटीकरण करती है।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

एक बार रुक कर सोचें

जब आप वोट डालने जाएं तो एक बार रुक कर जरूर सोचें। यह देश आपकी जिम्मेदारी है। हमारा लोकतंत्र, हमारा संविधान आपके अधिकारों को मजबूत करने के लिए बना। आज भाजपा संविधान बदलने की बात कर रही है। कल को कौन जाने ये क्या करेंगे?

-प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

किसी को भी खतरा

दरअसल, अमेरिकी कानूनी व्यवस्था में जनता के विश्वास को आज बहुत बड़ी क्षति पहुंचाई गई है। यदि एक पूर्व राष्ट्रपति को ऐसे मामूली मामले पर दोषी ठहराया जा सकता है-जो न्याय के बजाय राजनीति से प्रेरित है-तो किसी को भी खतरा है।

-एलोन मस्क, उद्योगपति

संक्षेप

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह पहुंचे रामलला के दरबार

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंचे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सर्किट हाउस में उन्होंने कहा मैं ईश्वर को धन्यवाद दूंगा कि आज मुझे उनका दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मतदान समाप्त होने के बाद में अयोध्या पहुंचा हूं, ताकि रामलला का दर्शन कर सकूं। इसके साथ ही यहां की बिजली व्यवस्था भी देखकर जो सुधार हो सकेंगे, उसके करेंगे। आरके सिंह ने एग्जिट पोल को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा एग्जिट पोल जैसे ही निकला वैसे ही विपक्ष के लोगों की आवाज धीमी हो गई। बल्कि लुप्त हो गई। जो एग्जिट पोल आया है उससे ज्यादा ही सीट एनडीए को मिलेगी। मैं शुरू से कह रहा था, इनमें कोई दम नहीं है। ये ऐसा गठबंधन है जो तुरंत बिखर जाएगा। ये लोग कभी अपने नेता को चुन नहीं सके, इनका कोई भविष्य नहीं है। इसलिए इस गठबंधन ने 1 जून को बैठक किया। चार जून को बैठक नहीं किया, क्योंकि यह लोग जानते हैं 5 जून के बाद यह गठबंधन कहीं नहीं रहेगा। हम लोग कहते थे 400 के आसपास आएंगे। 400 सीट एनडीए को मिलेगी, जनता हम लोगों के साथ है और जनता साथ इसलिए है कि हम लोगों ने देश को मजबूत बनाया है और विकास किया है। प्रदेश में हो रही बिजली कटौती पर आरके सिंह कहा उत्तर प्रदेश को जितनी बिजली चाहिए थी, उतनी बिजली दिया। उत्तर प्रदेश को और बिजली चाहिए होगी तो हम और बिजली देंगे। 10 दिन पहले कुछ और बिजली की मांग आई थी, उसको दे दिया गया है। अभी और बिजली यूपी को चाहिए होगी तो और देंगे। उत्तर प्रदेश में बिजली की कटौती नहीं होनी चाहिए।

बिलासपुर पालिका- प्रशासन ने राहगीरों को चने और ठंडा शरबत बांटा

अमन लेखनी समाचार

बिलासपुर, बिलासपुर में एकादशी पर्व के मौकें पर पालिका प्रशासन द्वारा हाईवे पर स्टॉल लगाकर नागरिकों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए ठंडे व मीठे शरबत और मसालेदार चनों का वितरण किया। रामपुर जिले के बिलासपुर में दोपहर स्थानीय नगरपालिका परिषद के तत्वावधान में हाईवे पर शिव मंदिर के पास लगाए गए इस स्टॉल पर चेयरमैन चित्रक मित्तल व सभासदों ने आते-जाते राहगीरों व नागरिकों को उमस भरी गर्मी से निजात दिलाने के लिए ठंडे व मीठे शरबत का वितरण किया। साथ ही मसालेदार चने भी परोसे गए। इस दौरान चेयरमैन मित्तल ने कहा जनता की सेवा के लिए चुनकर आए उनका कर्तव्य समाजसेवा है। उन्होंने कहा उमस भरी गर्मी का प्रकोप अपना सितम ढा रहा है। ऐसे में उनकी सोच है कि सारे कामकाज छोड़कर पहले समाज की सेवा की जाए जो सबसे अहम है। उन्होंने बताया इससे पहले पालिका द्वारा चाय और हलवे का भी वितरण कर चुकी है।

हसनपुर में प्रधान ने निजी-जगह में लगाई खड़ंजे की ईंटे

ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, बोलें- ग्राम प्रधान गांव में नहीं करा रहा साफ सफाई

अमन लेखनी समाचार

हसनपुर, अमरोहा जनपद के हसनपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव में ग्राम प्रधान के द्वारा खड़ंजे की ईंटें उखाड़ कर अपने निजी कार्य में घर पर दीवार बना ली है। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर कहा कि ग्राम प्रधान गांव में नहीं करा रहा साफ सफाई जगह-जगह लगे हैं गंदगी के ढेर। बता दें कि ब्लॉक क्षेत्र के गांव शेखूपुर झकडी में ग्रामीण भारी संख्या में एकत्र हुए। यहां उन्होंने ग्राम प्रधान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए कहा कि ग्राम प्रधान के द्वारा गांव में कोई साफ सफाई नहीं की जा रही है। जगह-जगह गांव में गंदगी के ढेर लगे हैं। जगह-जगह कीचड़ पसरी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान के द्वारा पुराने खड़ंजे की ईंटें उखाड़ कर अपनी निजी जगह में दीवार बना ली गई है। अगर प्रधान से इस बारे में कुछ कहा जाता है तो वह तरह-तरह की बात करता है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिला अधिकारी कार्यालय पर धारना प्रदर्शन किया जाएगा।

गांव के वार्ड सदस्य परविंदर सिंह का कहना है कि ग्राम प्रधान से साफ सफाई के लिए कहते हैं तो वह कहता है कि एससी के किसी भी व्यक्ति ने मुझे वोट नहीं दिया। इसलिए मैं इधर साफ सफाई नहीं कराऊगा। उधर, इस मामले में ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि गांव में सभी विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मेरे ऊपर लगाए जा रहे सभी आरोप निराधार है। प्रदर्शन करने वालों में धर्मवीर सिंह, सूरज सिंह, राम अवतार ,देवेंद्र, लोकेश, पिंकू ,मोहित ,सुमित सागर ,विनय ,गुलशन, परविंदर ,सरजीत, दयाराम, चंदू आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

दिल्ली जाने के लिए सुल्तानपुर स्टेशन पहुंचे वृद्ध की बिगड़ी-हालत

- राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत, परिजन हीट स्ट्रोक की जता रहे आशंका

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर जंक्शन पर संदिग्ध परिस्थितयों में एक वृद्ध की हालत बिगड़ गई। रेलवे पुलिस उन्हें आनन-फानन में राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची। जहां ट्रीटमेंट के दौरान उनकी जान चली गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। वही परिजन हीटस्ट्रोक से मौत की आशंका जता रहे हैं। जानकारी के अनुसार अमेठी जिले के पीपरपुर थाना अंतर्गत दहिया गांव निवासी अभय सिंह बीती रात दिल्ली जाने के लिए घर से सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। वे स्टेशन पर ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। एकाएक उनकी तबियत स्टेशन पर बैठे-बैठे बिगड़ी तो वहां मौजूद अन्य यात्रियों ने जीआरपी व आरपीएफ को इसकी सूचना दी। तत्काल एंबुलेंस बुलाई गई और अभय सिंह को राजकीय मेडिकल कॉलेज लाया। इमरजेंसी में डॉक्टर ने ट्रीटमेंट शुरू किया। इंजेक्शन व ड्रिप लगाई गई। लेकिन इलाज के दौरान अभय ने दम तोड़ दिया। रेलवे पुलिस ने पड़ताल करते हुए परिजनों को सूचना दिया। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

परिजन हीट स्ट्रोक से मौत की आशंका जता रहे हैं। फिलहाल शव को पीएम में भेजकर जांच की जा रही है। मृतक के रिश्तेदार राम नरेश ने बताया कि अभय दिल्ली जाने के लिए स्टेशन पर आए थे। वहीं पर इनकी तबियत बिगड़ी तो पुलिस वाले इन्हें यहां लेकर आए। सुई दवाई तो हुई लेकिन उनकी मौत हो गई है।

अमेठी में दो लोगों की मौत

- हीट स्ट्रोक से जान जाने की आशंका, पुलिस को सूचना दिये बिना परिजन शव ले गए

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी के कमरौली थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों की मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को अपने घर लेकर रवाना हो गए। फिलहाल दोनों की मौत की वजह हीट स्ट्रोक बताई जा रही है। एक मृतक अधेड़ हाईवे की तरफ जा रहा था, जहां उसकी अचानक गिरने से मौत हो जबकि युवक की अपने मकान के पास ही सड़क पर गिरने से मौत हो गई। दरअसल, आज कमरौली थाना क्षेत्र के दो अलग अलग स्थानों पर एक युवक और एक अधेड़ का शव मिलने से हड़कंप मच गया। कमरौली थाने के अशरफगढ़ कठौरा गांव के रहने वाले 50 वर्षीय रामकिशोर शनिवार की देर शाम गांव से गुजरने वाले हाईवे पर किसी काम से पैदल जा रहे थे, जहां अचानक गश खाकर गिर पड़े। राम किशोर को गिरा देख स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को लेकर घर चले गए। दूसरी घटना कमरौली थाना क्षेत्र के क्षेत्र के गेट नंबर 2 की है, जहाँ रायबरेली जिले जगतपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला 40 वर्षीय युवक राकेश वर्मा यूपीसीडा कॉलोनी में किराए पर रहता था। आज दोपहर में अचानक सड़क पर गिर पड़ा। गिरते ही राकेश की भी मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंचे परिजन राकेश का शव लेकर घर चले गए।

डुमरियागंज बस स्टेशन पर लगा वाटर कूलर खराब

- डेढ़ साल से बना शोपीस, यात्रियों को गर्मी में पेयजल की किल्लत

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज रोडवेज बस स्टेशन पर नगर पंचायत द्वारा लगभग दो वर्ष पूर्व लगाया गया शीतल फिल्टर पेयजल मशीन लगभग डेढ़ वर्षों से खराब पड़ा हुआ है। जिसके चलते यात्रियों को इस भीषण गर्मी में शुद्ध पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है। नगर पंचायत डुमरियागंज द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए बस स्टेशन डुमरियागंज के परिसर में शीतल फिल्टर पेयजल मशीन लगाया गया था। यात्रियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित फिल्टर मशीन लगने के कुछ महीने बाद ही खराब हो गया। लेकिन नगर पंचायत प्रशासन द्वारा उसे अब तक ठीक नहीं कराया गया है। जिसके कारण इस भीषण गर्मी में यात्रियों को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। जिससे यात्रियों में आक्रोश व्याप्त है। बता दें कि दर्जनों बार लोगों द्वारा इसकी शिकायत नगर पंचायत प्रशासन से की गयी। लेकिन फिर भी खराब पड़ी मशीन को ठीक नहीं कराया गया।

जिसके कारण लोगों को इस भीषण गर्मी में शुद्ध पेयजल के लिए तरसना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों में ताज मोहम्मद, अजय कुमार, हमीदुल्लाह, विजय कुमार और फिरोज खान ने मशीन को ठीक कराए जाने की मांग की है।

हापुड़ में 2 नाइजीरियन समेत 3 लोग गिरफ्तार

- सोशल मीडिया पर महिला के नाम पर आईडी बनाकर करते थे ठगी, मांगते थे रकम

अमन लेखनी समाचार

हापुड़, हापुड़ में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले गैंग का पदार्फाश करते हुए 2 विदेशी नागरिक (नाइजीरियन) और एक भारतीय महिला सहित 3 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी फेसबुक और इंस्टाग्राम पर महिलाओं के काल्पनिक नामों से आईडी बनाकर भारत के लोगों से दोस्ती कर उनको अपने जाल में फंसाकर ठगी करते थे। इनके कब्जे से 4 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 1520 नकद, फर्जी रसीदें बरामद हुई है। एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि पूछताछ करने पर आरोपियों की पहचान पीटर उर्फ डेविड, माइकल डीनो निवासी नाइजीरिया और मर्सी केथ निवासी नागालैंड के रूप में हुई है। पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि फेसबुक व इंस्टाग्राम पर लड़कियों के काल्पनिक नामों से फर्जी अकाउंट बनाकर अपनी पहचान छुपाकर भारत के लोगो को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज देते थे, जो व्यक्ति हमारी फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर लेता है फिर हम उसे मेसेंजर पर मेसेज कर दोस्ती कर लेते थे।

नहर किनारे मिला युवक का शव

- युवक के शरीर पर चोट के कई निशान, हत्या की आशंका

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी में ससुराल में रह रहे युवक का घर से दूर नहर किनारे झाड़ियां में शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। शव पर चोट के कई निशान है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को फेंका गया है। मृतक कल शाम चार बजे से लापता था और बताया जा रहा है कि मृतक नशे का आदी था। दरअसल ये पूरा मामला जामो थाना क्षेत्र के बंधवा रेसी गांव का है जहां अपनी ससुराल में रह रहे 35 वर्षीय विनोद का शव घर से दूर नहर किनारे झाड़ियों में मिलने से हड़कंप मच गया। शव पर ग्रामीणों की नजर पड़ते ही परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुँचे और शव को लेकर घर चले गए। कुछ देर बाद पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ मयंक द्विवेदी ने भी घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया है। मृतक विनोद सरोज पुत्र अहोरवादीन जेनपुर गांव का रहने वाला था जिसकी शादी 15 साल पहले बंधवा रेसी गांव में हुई थी।शादी के बाद से विनोद अपने घर पर कम और अपनी ससुराल में ज्यादा रहता था।

मृतका के भाई मनोज ने थाने में तहरीर दी है।तहरीर में लिखा गया है की उसका भाई विनोद सरोज अपनी ससुराल में रहता था।आज सुबह उसका शव नहर किनारे झाड़ियों में मिला जिस पर चोट के कई निशान थे। वहीं जामो एसएचओ विवेक सिंह ने कहा कि प्रथम दृष्टया मौत नशे के अत्यधिक डोज की वजह से मालूम पड़ रही है।

कार से बाइक सवार युवक का अपहरण

दो घंटे बाद बरामद, पैसे को लेकर हुए विवाद में वारदात, आरोपियों की तलाश शुरू

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी में दिनदहाड़े अपहरण की बड़ी वारदात सामने आई। गांव से बाजार जा रहे बाइक सवार युवक का कार सवार बदमाशों ने बीच सड़क असलहे के बल पर अपहरण कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से अपहृत की मोटरसाइकिल को बरामद कर अपहरणकताओं की तलाश शुरू कर दी। करीब दो घंटे बाद पुलिस ने अपहृत युवक को घटनास्थल से सात किलोमीटर दूर शाहमऊ गांव के पास से बरामद कर लिया। अपहरणकर्ता फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। दरअसल ये पूरा मामला जायस थाना क्षेत्र रायबरेली रोड स्थित बड़े पुल के पास का है। बक्शी गांव का रहने वाला 28 वर्षीय नूर आलम बाइक से जायस बाजार की तरफ जा रहा था। इसी बीच बड़े पुल के पास पीछे से आए कार सवार बदमाशों ने असलहे के बल पर नूर आलम का अपहरण कर जायस की तरफ फरार हो गए। मौके पर नूर आलम की बाइक पड़ी रही। घटना के दौरान नूर आलम के चाचा मौके से गुजर रहे थे, जिन्होंने पूरी घटना को देखा। चाचा ने घटना की जानकारी नूर आलम के परिवार को देने के साथ ही पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से अपहृत की मोटरसाइकिल बरामद कर अपहरणकताओं की तलाश शुरू कर दी। दो घंटे बाद अपहरणकर्ता नूर आलम को शाहमऊ गांव के पास सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने अपहृत को सकुशल बरामद कर लिया। नूर आलम मुर्गी पालन का व्यवसाय करता था। नूर आलम ने इसी थाना क्षेत्र के मुनव्वर का पुरवा गांव के रहने वाले नदीम से मुर्गी का दाना लिया था। इसी दाने को खाने से नदीम की मुर्गियां मर गई थीं, जिस कारण नूर आलम ने दाने का पैसा नदीम को नहीं दिया। इसी पैसे को लेकर नदीम ने नूर आलम के अपहरण की धमकी दी थी। जायस एसएचओ रवि सिंह ने कहा कि नूर आलम और नदीम के बीच पैसे का विवाद था। दोनों के बीच पैसे के लेनदेन को लेकर आज सुबह नौगाजी चौराहे के पास विवाद भी हुआ था। अभी तक तहरीर नही मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

करंट लगने से संविदा लाइनमैन की मौत

- नाराज परिजनों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम, कहा- जानबूझकर मार डाला गया

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में 11000 लाइन की चपेट में आने से संविदा लाइनमैन की मौत हो गई। जिससे नाराज ग्रामीण और परिजनों ने सड़क पर शव रखकर जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे विधायक और एसडीएम ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और आगे कार्रवाई में जुट गई। मामला कमासिन थाना क्षेत्र का है। बंथरी निवासी अनु यादव संविदा में लाइनमैन में कार्यरत था। शाम को घर जाने के पहले बाबू पुरवा में रुक गया था और नहाने खाने के बाद रात में लगभग 12:30 बजे लामियारी फीडर का फ्यूज उड़ गया। अनु यादव ने विद्युत उपकेंद्र में तैनात फौजी राम बहादुर से लमियारी फीडर का शटडाउन देने को कहा, लेकिन राम बहादुर ने लाइनमैन को बताया कि आज शाम को यही गोपाल ने शटडाउन देने के लिए मना कर दिया है और बिना उनकी अनुमति के शटडाउन नहीं देने की बात कही है। सहायक शिवनाथ ने अनु को बताया कि लाइन ब्रेकडाउन में है। इसलिए शटडाउन नहीं दिया गया। नशे की हालत में अनु ने समझा कि शटडाउन हो गया और 11000 की लाइन के खंभे में चढ़ गया। जैसे ही फाल्ट ठीक करने लगा तभी बिजली आ गई जिससे अनु पूरी तरह जल गया और उसकी मौके परी मौत हो गई है। ग्रामीणों को जैसे ही सूचना मिली तो वह मौके पर आ गए और जानबूझकर लाइन चालू कर अनु को मार डालने का आरोप लगाते हुए चौराहे पर सड़क जाम कर दिया

प्रशासन को जैसे सूचना मिली वह मौके पर पहुंचे और परिजनों से बात कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

हसनपुर में नगर पालिका टीम का विरोध

जमीन कब्जा मुक्त करने गई थी टीम, पालिकाध्यक्ष ने की थी कार्रवाई की मांग

अमन लेखनी समाचार

हसनपुर, अमरोहा जनपद के हसनपुर नगर में रहरा रोड स्थित सब्जी मंडी जिस भूमि पर है। वह नगर पालिका परिषद की है। उस भूमि पर सब्जी विक्रेता अपनी दुकान लगाकर कार्य करते हैं।जबकि सभी दुकानदारों को मंडी समिति स्थित दुकान शासन के द्वारा आवंटित कर दी गई है। उसके बाद भी कुछ व्यापारियों द्वारा अवैध दुकान लगाकर अतिक्रमण कर व्यवसाय किया जा रहा है। पालिका की भूमि पर अवैध कब्जा होने के कारण नगर के मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है। पालिका की भूमि को खाली करने के उद्देश्य से चेयरमैन राजपाल सैनी द्वारा एसडीएम को पत्र देकर भूमि को कब्जा मुक्त करने के लिए नगर पालिका परिषद के सहयोग के लिए कोतवाली पुलिस को निर्देश करने की मांग की।

सुल्तानपुर में बदला मौसम का मिजाज

- कई तहसील क्षेत्रों में तेज आंधी के साथ हुई बारिश; किसानों ने ली राहत की सांस

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में आज तड़के तहसील क्षेत्र जयसिंहपुर, लंभुआ व शहरी क्षेत्र में बारिश से मौसम बदल गया है। जिससे लोगों ने कुछ राहत की सांस ली है। लंभुआ में सुबह 4 बजे के आसपास जहां करीब एक घंटे आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र में दो घंटे के आसपास बरसात हुई है। शहरी क्षेत्र में भी थोड़ी देर बरसात हुई है। जयसिंहपुर तहसील के गोपालपुर, बरौंसा, कांधापुर, सदरपुर समेत अन्य गांव में रविवार की भोर तेज हवा के साथ बारिश हुई, हालांकि बारिश अधिक देर न होने से किसानों को कोई फायदा नहीं हुआ। सुबह के समय बारिश से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिला। किसान हृदय राम यादव, राम सुभग ने बताया कि अगर दो घण्टे बारिश हुई होती तो किसानों को धान की बेहन डालने में आसानी होती। साथ ही गन्ना व अन्य फसलों को फायदा होता। भोर मे मौसम ने अचानक करवट ली और तेज तपिश व गर्मी से लोगो को राहत मिली। तेज हवा के साथ भोर मे हुई बरसात से तापमान 46 से 29 तक पहुंच गया। खेती किसानी के साथ ही हाईटेंशन लाइन मे फाल्ट हुआ है जिससे चार घंटे बाद भी किसी उपकेन्द्र की लाइन बहाल नही हो सकी है। काफी राहत मिली है। उमस व गर्मी से बेहाल लोगो को नौतपा के अंतिम दिन काफी राहत मिली। आंधी से लोलेपुर, भदैया, रामगंज, दरियापुर सभी उपकेन्द्र रात चार बजे से ही ठप हो गये है। कही पावर लाइन तो कही हाईटेंशन लाइन मे फाल्ट हुआ है जिससे चार घंटे बाद भी किसी उपकेन्द्र की लाइन बहाल नही हो सकी है।

संक्षेप

सीतापुर में बाइकों की भिड़न्त

अमन लेखनी समाचार

सीतापुर, सीतापुर में दो बाइको की आमने-सामने भिड़न्त में चीख पुकार मच गई। दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। जबकि मां और बेटा गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने दोनों बाइको को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना रामपुरकलां थाना इलाके की है। यहां शनिवार देर रात अनुसार महमूदाबाद क्षेत्र के ग्राम नाथुपुर निवासी यासिर बाइक पर पत्नी आशियां सहित डेढ़ वर्षीय बेटे वसीम के साथ बाजार से घर जा रहे थे। हादसे को लेकर बताया जाता है कि बीच रास्ते में सिधौली-महमूदाबाद मार्ग पर दुलारपुर के निकट सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गये। ओवरटेक के दौरान हुए हादसे में मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगो ने मामले की सूचना पहुंची को दी। पुलिस ने बाइको पर सवार सभी चार घायलों को इलाज के लिए सीएचसी महमूदाबाद में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने बाइक पर सवार पति यासिर ने भी उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। जबकि पत्नी आशियां और डेढ़ वर्षीय मासूम वसीम का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं दूसरी बाइक पर सवार विजय कुमार निवासी ग्राम असोहन को भी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

वन विभाग ने मछुवारों से वसूला दो लाख जुर्माना

अमन लेखनी समाचार

मवाना, हस्तिनापुर के वन आरक्षित क्षेत्र से होकर गुजरने वाली गंगा नदी में नदी-नालों में प्रतिबंध के बावजूद मछलियों का शिकार कर रहे हैं, जो पर्यावरण के लिए ठीक नहीं है। इस समस्या के हल में कई पर्यावरण प्रेमी संस्थाएं अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं और विभाग भी अपने स्तर पर कार्यवाही कर रहा है। जिला वन अधिकारी राजेश कुमार के निर्देश पर वन विभाग की टीम में गंगा नदी से मछलियों का शिकार कर रहे कई लोगों को पकड 2 लाख का जुमार्ना वसुल किया। बता दे कि वन अरक्षित क्षेत्र से होकर गुजरने वाली गंगा नदी में फतेहपुर प्रेम, मानपुर, लतीफपुर, किशनपुर, भीमकुंड, दुधली, सिरजोपुर आदि गांवों के समीप बड़े पैमाने पर मछलियों का शिकार किया जा रहा था। कुछ लोग इसका व्यापार भी कर रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों पर शनिवार सुबह वन विभाग की टीम ने गंगा किनारे सर्च अभियान चल भींकुड गंगा पुल के समीप खेडी कला नाले से जाल लगा मछलियों का शिकार कर रहे कई मछुवारों को दबोच लिया। पकडे गये मछुवारों से वन विभाग की टीम ने मछली पकडने के कई उपकरण बरामद किये। क्षेत्रीय रेंजर रविकांत चौधरी ने बृहस्पतिवार को वन विभाग की टीम के साथ भीमकुंड गांव के समीप राजकीय पशुधन कृषि प्रक्षेत्र के पास नाले से मछली पकड़ कई मछुवारों को गिरफ्तार कर 1 लाख 95 हजार रुपए का जुमार्ना वसुल किया।

अब पौधे बताएँगे अपना नाम

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट गीडा, गोरखपुर के छात्रों ने पौधों में पानी डालने के लिये एक ऐसा मोबाइल वाटर सिस्टम तैयार किया हैं जिसके माध्यम सें आप अपने घर, बगीचे में लगे पेड़ पौधों में आसानी सें अपने मोबाइल के वाट्सअप सें पानी डाल सकतें हैं इसके साथ ही ऐसे पौधे भी बनाये गये है जो अपना नाम भी बताते है इन प्रोजेक्ट को बनाने वाले छात्र अंशित श्रीवास्तव ने बताया आज के दौर में करोड़ों लोग सोशल मीडिया पर विश्व पर्यावरण दिवस पर एक फोटो शेयर करके विश्व पर्यावरण दिवस मना लेते हैं ये बहुत दुःखद हैं आज हम वास्तविकता सें दूर होते जा रहे हैं और आज के दिन लाखों पौधे भी बड़े - बड़े लोंगो द्वारा लगाये जाते हैं लेकिन उसके बाद हम सब भूल जाते हैं की जब तक पौधा अपने पैर पर खड़ा ना हो जाये हमें एक बच्चे की तरह उसका ख्याल रखना पड़ता हैं समय - समय पर पौधों को पानी और खाद की जरुरत पडती हैं इसी को ध्यान में रखते हुए हमने इस डिवाइस को तैयार किया हैं जिसके माध्यम सें आप कहीं सें भी अपने बगीचे या घर मे रखे गमले में बस एक मैसेज करके अपने पेड़ पौधों को सूखने सें बचा सकतें है छात्र अंशित ने बताया आधुनिक युग में हम प्रकृति को नुकसान पंहुचा रहे है जगह - जगह पेड़ काटे जा रहे है यही सब वजह है की आज हमें इतनी गर्मी और धूप का सामना करना पड़ रहा है इस प्रोजेक्ट को किसी भी एंड्रॉयड फोन सें अटैच किया जा सकता है एक वाट्सअप सें हम 50 सें ज्यदा गमलो को जोड़ सकतें है सभी गमले मोबाइल सें जुड़े मिनी वाटर पम्प सें कनेक्ट होते है जैसे हम गमले में लगे पौधे का नाम भेजते हैं गमले में सेट किये गये निर्धारित पानी गमले में भर जाता है और ऐसे हम दूर सें भी अपने पौधों में पानी डाल सकतें है इसके साथ में जो पौधे हमने गमले में लगाये है वो पौधे अपना नाम भी बता सकतें है इसे गमले में लगे पौधे का नाम जानने में लोग को आसानी होंगी इसे बनाने में 12 दिनों का समय और दो हजार रुपए का खर्च आया है इसे बनाने मे एंड्रॉयड मोबाइल, गियर मेकैनिकल स्विच, 12 वोल्ट पम्प, 220 वोल्ट पम्प मैसेज ट्रिगर सेंसर, वॉइस रिकॉर्डिंग चिप, इत्यादि उपकरणो का इस्तेमाल कर बनाया है संस्थान के निदेशक डॉ एन के सिंह ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम सब को पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित बनाये रखने के लिये अपने और अपने बच्चों के नाम से एक-एक पौधा लगाने की जरुरत हैं भविष्य में ये पौधे पेड़ बनेंगे हमें ऑक्सीजन मिलेगा और हमारी धरती हरी भरी रहेगी इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष नीरज मातनहेलिया, सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकुंज मातनहेलिया, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल सहित सभी शिक्षकों ने छात्र के इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया।

धान की सीधी बुवाई का परीक्षण चौकमाफी में किसानों के लिए एक नई पहल

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पीपीगंज महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र चौकमाफी, पीपीगंज ने डीएसआर योजना के तहत धान की सीधी बुवाई तकनीक का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन वैज्ञानिकों की देखरेख में, सीसा सिमिट और डॉ रेड्डी फाउंडेशन द्वारा MTU 7029 किस्म का उपयोग करके, एक एकड़ क्षेत्र में किया गया इस तकनीक का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए, उसी क्षेत्र के बगल में समान आकार के खेत में उसी किस्म के धान की रोपाई पारंपरिक तरीके से की जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान द्वारा वित्तपोषित धान की सीधी बुवाई का यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान द्वारा वित्तपोषित है। सस्य वैज्ञानिक अवनीश कुमार सिंह के अनुसार, डीएसआर तकनीक किसानों के लिए कई मायनों में फायदेमंद है। इसमें बीज और उर्वरक को एक साथ बोने के लिए सीड ड्रिल मशीन का उपयोग किया जाता है। पानी और उत्पादन में वृद्धि: डीएसआर विधि में 35% तक पानी की बचत होती है और रोपाई विधि की तुलना में अधिक उत्पादन होता है। वहीं खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए, बुवाई के 24 घंटे के अंदर पेंडिमेथलीन नामक खरपतवार नाशक का प्रयोग करें। बीज बुवाई से पहले, बीज को 2% नमक के घोल में भिगोकर सुखा लें। बीज को 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन और 12 ग्राम बविष्टिन के घोल से उपचारित करें। डॉक्टर अजय ने बताया किसानों को शाम के समय सीधी बुवाई मशीन द्वारा बीज बोएं। इस तकनीक से श्रम, पानी, उर्वरक और मजदूरी की बचत धान की रोपाई की तुलना में 20 दिन पहले बुवाई नर्सरी तैयार करने की अतिरिक्त लागत के साथ उत्पादन में कोई कमी नहीं होगी। इस अवसर पर डॉ अजय, प्रभाकर, अनिल (सीसा सिमिट) शिवेंद्र सिंह, रणवीर यादव (डॉ रेड्डी फाउंडेशन) व चौकमाफी गांव के किसान मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के तिलौरा चौराहे के पास मंगलवार सुबह 9:30 बजे सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक बोलेरो की चपेट में आने से घायल हो गया। एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरार्पार में भर्ती कराया गया था, जहां से डॉक्टर गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया है। घायल युवक की पहचान नगर पंचायत घघसरा के वार्ड संख्या 4 दीनदयाल नगर के अलगटपुर निवासी चंद्रभूषण के रूप में हुई। चंद्र भूषण अपनी बाइक से सुबह अपनी नौकरी पर जा रहे थे। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। तिलोरा चौराहे के पास सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। डॉक्टर ने इनके दाएं पैर की हड्डी में फैक्चर बताया है।

जालौन में गर्मी का सितम जारी

- तखत पर बैठे-बैठे 72 वर्षीय वृद्ध की मौत, एसडीएम पहुंचे मौके पर, जांच में जुटे

अमन लेखनी समाचार

जालौन, जालौन में भीषण गर्मी का कहर जारी है। यहां मिठाई की दुकान पर पहुंचा एक 72 वर्षीय वृद्ध तखत पर बैठे-बैठे अचानक बेहोश गया, इस घटना को देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने पानी डालकर उसे होश में लाने का प्रयास किया। साथ ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही एसडीम और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उसे अस्पताल लेकर आए। मगर चिकित्सकों ने वृद्ध को मृतक घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जिससे उसकी मौत का कारण स्पष्ट हो सके। मामला जालौन कोतवाली क्षेत्र का है। यहां चुर्खी बाल मोहल्ले के रहने वाले 72 वर्षीय मुन्नीलाल बाजार में एक मिठाई की दुकान पहुंचे थे। तभी अचानक उन्हें चक्कर आ गया और वह मिठाई की दुकान के बाहर पड़े तखत पर बैठ गए। मगर उसकी हालत गर्मी के कारण खराब हो गई और राहत पाने के कारण तखत पर लेट गए, मगर वह उसके बाद उठ नहीं सके, इस घटना को मिठाई की दुकान पर मौजूद लोगों ने देखा तो वृद्ध पर पानी डालकर होश में लाने का प्रयास किया। मगर तब तक उसकी मौत हो गई थी। इसकी जानकारी तत्काल स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जालौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विमलेश कुमार और एसडीएम जालौन अतुल कुमार मौके पर पहुंचे, जिन्होंने एंबुलेंस की मदद से तत्काल उस वृद्ध को अस्पताल पहुंचाया, मगर चिकित्सक ने चेकअप करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जहां पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया, जिससे उसकी मौत का कारण स्पष्ट हो सके। इस मामले में जालौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विमलेश कुमार का कहना है कि मृतक का नाम मुनीलाल है।

बाइक रोककर मारने पीटने का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के खिरकिटा दिगर निवासी अमरदीप शर्मा ने गांव के ही एक युवक पर बाइक रोकर मारने पीटने का आरोप लगाया है। खबर लिखे जाने तक मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ था। तहरीर में लिखा है कि बीते शनिवार को प्राथमिक विद्यालय खिरकिटा दूबे पर वोट डालने के लिए गया था। केंद्र से पहले उसी टोले का एक युवक योगी मोदी का नाम लेकर अपशब्दों का प्रयोग कर रहा था। मना करने पर धमकी देने लगा। उसके बाद उसी दिन रात को सब्जी लेकर गांव जा रहा था। उसी दौरान वह बाइक से पीछा करते आया और साथियों के साथ मुझे मारा पीटा और चार सौ रुपया छीनकर फरार हो गया।

मुनीब को पीटने में चार के विरुद्ध केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गोला पुलिस ने चंद चौराहे पर स्थित बीयर शाप के मुनीब को पीटने वाले चार लोगों के विरुद्ध मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा आगे की कार्यवाही कर रही है। शनिवार की रात में चंद चौराहे पर स्थित एक बीयर शाप के मुनीब शिवम यादव ने थानाध्यक्ष को तहरीर देकर कस्बे के कुछ लड़कों पर दुकान बंद होने के समय बीयर मांगने विरोध पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया था। पुलिस इस मामले में कस्बे के विनय यादव, राजकुमार यादव, विशाल व गोविंद के विरुद्ध मारपीट व जानमाल की धमकी आदि धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

सोनभद्र में खड़ी ट्रक में घुसी बोलेरो

- एक युवक की मौत, 4 लोग गंभीर; ट्रामा सेंटर रेफर, घोरावल-राबर्ट्सगंज मार्ग पर हादसा

अमन लेखनी समाचार

घोरावल, सोनभद्र अन्तर्गत घोरावल कोतवाली क्षेत्र में घोरावल-राबर्ट्सगंज मुख्य मार्ग पर औराही गांव के पास श देर रात खड़ी ट्रक में बोलेरो घुस गई। इस दुर्घटना में बोलेरो गाड़ी में सवार पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य 4 लोग गंभीर रुप से घायल है। जिनको वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि क्षेत्र के नौडीहा व रैपुरा गांव के पांच लोग बोलेरो में सवार होकर रॉबर्ट्सगंज से अपने घर जा रहे थे। रास्ते में औराही गांव के समीप खड़ी एक ट्रक में पीछे से घुस गई। जिससे बोलेरो में सवार 5 लोग फंस गए। तीन लोगों को जल्दी ही बाहर निकाल लिया गया। लेकिन उसमें आगे की सीट पर सवार दो युवकों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। गैस कटर मंगाकर कटवाया गया तब जाकर आगे की सीट पर सवार दो युवकों को करीब 1 घंटे बाद निकालने मे सफलता मिली। सभी को जिला अस्पताल भेजा गया। जिसमें शंख लाल यादव (26) पुत्र गणेश निवासी रैपुरा थाना शाहगंज की मौत हो गई। बोलेरो में सवार नौडीहा गांव के रहने वाले धर्मेंद्र भारती (25), आशीष यादव (23), राजकुमार कोल (23), रैपुरा गांव निवासी मुलायम यादव (23) को ज्यादा चोट आई। गंभीर चोट लगने के कारण प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल से वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

दबंगों ने घर मे घुसकर युवक को मारी गोली

जमीन को लेकर दोनों पक्षों में चल रहा था विवाद, घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पतहना गांव में उस समय हड़कम मच गया। जब दबंगों ने एक युवक पर तमंचा से फायरिंग करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश भी है। सरायख्वजा थाना क्षेत्र के पतहना गांव के राजन विश्वकर्मा का पुत्र राजेंद्र विश्वकर्मा 24 वर्ष अपनी दुकान में सोया हुआ था। इसी दौरान अशोक सिंह और सोनू सिंह तमंचे से हवाई फायरिंग करते हुए दुकान के अंदर घुस गए और दीपक को मारने पीटने लगे दीपक ने शोरगुल मचाना शुरू किया तो दीपक के ऊपर तमंचे से फायरिंग कर दी। जिससे तमंचे की गोली दीपक की पेट को चीरते हुए निकल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने दीपक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है घटना किन परिस्थितियों से हुई पुलिस इसकी जांच पड़ताल में जुटी हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सरायख्वाजा थाना के पतहना गांव में दीपक विश्वकर्मा एवं अशोक सिंह एवं उनके भाई सोनू सिंह के बीच में झगड़े के दौरान अशोक सिंह और सोनू सिंह द्वारा दीपक विश्वकर्मा के पेट में गोली मारी है।

घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है। तहरीर के आधार पर समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। घायल का इलाज चल रहा है। दीपक विश्वकर्मा को मामूली चोटें आई हैं।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है शीघ्र इनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने गोली चलने जैसी घटना से इनकार किया है।

दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

- बच्चों के विवाद को लेकर चले लाठी डंडे, चार घायल, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र , सोनभद्र के घोरावल स्थित सरवट गांव में रात दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। जिसमें दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए व बीच बचाव करने में घायल परिवार के दो अन्य सदस्य भी घायल हो गए। घायलों को परिजनों ने घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां से गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को रविवार अल सुबह बेहोशी हालत में बीएचयू ट्रामा सेंटर, वाराणसी रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात सरवट गांव में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें मनोज यादव (35) और संतोष यादव (32) पुत्रगण रामदुलारे यादव व उनके परिवार के दो सदस्य महेन्द्र यादव व राजमनि यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको परिजनों ने सीएचसी घोरावल में भर्ती कराया। घायलों के परिजनों ने बताया कि गांव के ही एक पक्ष के लोगों से कुछ दिन पहले बच्चों को लेकर कुछ विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर शनिवार देर रात 5 लोगों ने मिलकर उनके घर के दरवाजे पर चढ़ कर गाली गलौज किया। साथ ही संतोष यादव और मनोज यादव को लाठी डंडे से बुरी तरह मारा पीटा। बीच बचाव करने में परिवार के दो अन्य सदस्यों को भी चोटें आई। इससे दोनों भाई गंभीर रुप से घायल हो गए। परिजनों द्वारा चारों को घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से दोनों भाइयों को गंभीर चोटें आने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहोशी हालत में बीएचयू ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया।

सोनभद्र में युवक का जंगल में मिला शव

दो दिन पहले घर से था निकला, सांप काटने से मौत की जताई लोगों ने आशंका

अमन लेखनी समाचार

ओबरा, सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र स्थित गुरदह के जंगल में एक व्यक्ति का शव मिलने से हडकंप मच गया है। गुरदह के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिनेश यादव के सूचना पर पहुंची चोपन पुलिस ने शव को शिनाख्त कर अपने कब्जे मे लेकर के पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम हेतु जिला चिकित्सालय भेज दिया। शव की शिनाख्त विक्रम (34) पुत्र कयर निवासी गुरदह, टोला अलउर, थाना चोपन के रूप मे हुई। जो दो दिन पूर्व घर से निकला था। वापस घर नहीं आने पर परिजनों द्वारा काफी खोजबीन की जा रही थी। इसी दौरान चरवाहों द्वारा गांव के जंगल में शव देखे जाने से हडकंप मच गया। स्थानीय लोगों एवं पुलिस द्वारा प्रथम दृश्यता से सर्पदंश से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। चूकी जहां मृत शव पड़ा था, वहां सर्पों का बसेरा था। जो लोगों द्वारा देखा भी गया है।

नालियां चोक होने से सड़क पर हुआ जलभराव

- 22 घंटे चलता है मोहल्ला छासियावाडा का रास्ता, करीब 15 से 20 हजार वाहन गुजरते हैं रोज

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, बुलंदशहर के सिकंदराबाद नगर क्षेत्र के मोहल्ला छांसियावाड़ा में नाले-नालियां चौक होने से सड़कों पर जल भराव हो गया। इससे राहगीरों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही मोहल्ले वासियों ने सभासद से समस्या का समाधान करने की मांग की है। सुबह से ही मोहल्ला छासियावाडा में बिना बारिश के सड़क तालाब में तब्दील हो गई। वहीं के लोगों में राजेंद्र, नन्हे, हीरा, आदि ने बताया यह रास्ता 24 घंटे में 22 घंटे चलता है। यहां रोजाना करीब 15 से 20 हजार वाहनों का आगमन होता है। नालिया चौक होने से मुख्य रास्ते पर जल भराव हो गया। राहगीरों को जल भराव के बीच से ही होकर गुजरने को मजबूर होना पड़ रहा है। दुकानदारों ने बताया कि ऐसे में ग्राहक न पहुंचने के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। वही दूसरी तरफ मोहल्ले में नाले का निर्माण कार्य भी चल रहा है। जिसके चलते पानी की निकासी बिल्कुल बंद पड़ी है। नाले-नालियों का पानी सड़कों बह रहा है। ऐसे में लोगों का घरों से भी निकलना मुश्किल हो गया है। इस सम्बंध में वार्ड मेंबर सोनिया सैनी ने बताया कि वार्ड में नाले का निर्माण चल रहा है। दूसरी तरफ पशुपालनो ने गोबर से नालियां चोक कर रखी है। जिसके चलते पानी सड़क पर इकट्ठा हो गया है। पानी निकासी के लिए पंप लगा दिए गए है। नगर पालिका इओ रविंद्र कुमार ने बताया कि जल्द ही उक्त पशु डेयरी संचालकों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

फिर बागडोर मोदी के हाथों में

इस बार के लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा और एनडीए के लिए चिंता का सबब बन गए है। 10 साल भारत सरकार की बागडोर संभालने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज़ भाजपा ने इस बार 400 पार का नारा दिया था और पूरी दुनिया में भाजपा के समर्थकों ने इस 400 पार के नारे को इतना प्रचारित किया कि खुद भाजपा भी विश्वास नहीं कर पाई कि उसे इन चुनावों में कोई टक्कर दे सकता है। लेकिन अब नतीजा देश और दुनिया के सामने है। जिसमें साफ-साफ दिख रहा है कि 400 पार का नारा लगाने वाली भाजपा कैसे 300 से भी नीचे आ गई?

स्थिर सरकार से दुनिया में बढ़ेगी भारत की ताकत

आने वाले पांच साल कई मुद्दों पर होंगे अहम

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकसभा चुनाव प्रक्रिया और मंगलवार को आए परिणाम पर पूरे विश्व की नजर रही। माना गया कि चुनाव बाद एक बार फिर स्थिर सरकार के नेतृत्व में लोकतांत्रिक भारत की दुनिया में ताकत बढ़ेगी। विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था, बढ़ती सामरिक व कूटनीतिक ताकत तथा ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत में अगले पांच साल के लिए चुनी जाने वाली सरकार से आगे की दिशा तय होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3.0 वाली वापसी वाली सरकार को अंतरराष्ट्रीय पटल पर लोकतांत्रिक भारत की बढ़ती ताकत से जोड़कर देखा जा रहा है। विश्लेषणों में यह भी कहा गया है कि दुनिया में चल रहे संघर्षों, बदलती विश्व व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर आने वाले पांच साल अहम होंगे। इस दौरान भारत में स्थिर और मजबूत सरकार इन सुधारों में प्रमुख भूमिका निभाएगी।

द गार्जियन बोला- संबंधों में और होगा सुधार

ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की वेबसाइट की रिपोर्ट ने लिखा है कि पीएम नरेंद्र मोदी की जीत से संबंधों में सुधार होगा। उन्होंने भारत के धर्मनिरपेश लोकतंत्र में बदलाव किया है। साइट ने हालांकि यह भी कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नेतृत्व में हो रहे इस तीसरे चुनाव में जबरदस्त जीत के दावे कर रहे थे, लेकिन रिजल्ट से पता चलता है कि उन्होंने वो शानदार जीत हासिल नहीं की है जिसकी कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी। 640 मिलियन वोटों में से आधे की गिनती के साथ भाजपा ने अपने सहयोगियों के साथ सिर्फ 291 सीटें जीती, हालांकि ये नंबर उसके बहुमत के पार है तो वो अब सरकार बनाएगी।

अलजजीरा ने कहा- पीठ नहीं थपथपा सकते मोदी

इसके अलावा मिडिल ईस्ट की दिग्गज मीडिया 'अलजजीरा' ने इन चुनावों के रुझानों पर अपनी राय रखी है और लिखा है कि अगर भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाती है, तो वो अपने सहयोगियों की सद्भावना पर बहुत ज्यादा निर्भर हो सकती है क्योंकि यही उन्हें सियासत का एक अहम खिलाड़ी बनाती है। जिनसे उम्मीद लगाई जाती है कि वो नीति निर्माण के साथ-साथ नीति निर्धारण के मामले में भी अपना भारी भरकम योगदान देंगे। 2014 में सत्ता में आने के बाद से पीएम मोदी की भाजपा ने गठबंधन सरकार में शासन किया है, लेकिन उसके पास हमेशा अपने दम पर बहुमत रहा है।

पाक साइट डान ने कहा भारी जीत नहीं मिली

पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन में लोकसभा चुनाव को लेकर एक आर्टिकल छपा है। डॉन ने लिखा है- भारत में चुनाव की मतगणना से पता चलता है कि मोदी गठबंधन बहुमत की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन भारी जीत नहीं मिली है। अखबार ने आगे लिखा, टीवी चैनलों के अनुसार मंगलवार को शुरुआती मतगणना में एनडीए बहुमत हासिल कर रहा है, लेकिन एग्जिट पोल के मुकाबले जीत उतनी पड़ी नहीं है। बीबीसी इंग्लिश ने कहा है कि भारत में चुनाव नतीजों में भाजपा की बड़ी जीत की उम्मीदों को झटका। निकी एशिया कहता है कि नरेंद्र मोदी बहुमत से सरकार बना रहे हैं।

दुनिया बोली लोगों ने दिखाया विश्वास, मोदी ने रचा इतिहास

न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा- छोटी पार्टियों के सहारे जीती है भाजपा

लोकसभा चुनावों के नतीजों और एनडीए के इस प्रदर्शन पर विदेशी मीडिया ने भी टिप्पणी की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि भारत के चुनावी नतीजे काफी चौंकाने वाले रहे हैं। उन्होंने संसद में उतनी सीट नहीं जीती जितनी वो आशा जता रहे थे। इसका मतलब ये हुआ कि अब उन्हें छोटी पार्टियों के सहारे संसद में जाना होगा और उन्हीं के सहारे सरकार चलाने को मजबूर होना होगा। 2014 से ये पहली बार है कि भारत के सबसे ताकतवार नेता अपने दम पर तीसरी बार के चुनाव में अपनी पार्टी को मेजोरिटी पर नहीं ला पाए।

चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने कहा दोनों देशों के संबंध सुधरेंगे

चीन के अखबार ग्लोबल टाइम्स ने कहा है कि मोदी सरकार बनने से दोनों देशों के बीच जो कुछ मतभेद है वे दूर होंगे और खुला संवाद बना रहेगा। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा है कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आ रहे हैं। जनवरी में उन्होंने राम मंदिर का उद्घाटन कर अपनी पार्टी की हिंदू राष्ट्रवादी प्रतिज्ञा को पूरा किया। पीएम मोदी तीसरी बार जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे नेता बन गए हैं।

दुनिया के लिए इसलिए अहम भारत

1 दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

एक अरब चालीस करोड़ की आबादी वाला भारत दुनिया का सबसे बड़ा और विशाल संभावनाओं वाला बाजार है।

2 विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

भारत में 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं, जो कि दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा हैं।

3 प्रवासियों का सबसे बड़ा समूह

दुनिया भर के देशों में भारत के 1 करोड़ 80 लाख से ज्यादा प्रवासी हैं, जो कि भारत की सॉफ्ट पॉवर का विस्तार करते हैं।

नरेंद्र मोदी का दबदबा तो दिखा लेकिन...

भारत में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों का मंगलवार को ऐलान किया गया। केंद्र में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है लेकिन भाजपा की सीटें घटी हैं। इस पर इंटरनेशनल मीडिया ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीबीसी न्यूज ने कहा है कि नतीजों में मोदी की बड़ी चुनावी जीत की उम्मीदें धूमिल हुई हैं। यूके से स्काईन्यूज ने कहा कि भाजपा का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी में सत्ताधारी भाजपा की निगाहें तीसरी बार सरकार बनाने पर है।

चुनाव को प्रभावित करने की भी हुई कोशिशें

विश्लेषकों का मानना है कि मोदी राज में भारत का जिस तरह से उभार हुआ है उसे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एशिया में चीन के वर्चस्व की राह में सबसे बड़ी बाधा मान रहे हैं। वहीं, ओपनएआई ने दावा किया एक इजराइली फर्म भारत और मोदी विरोधी कंटेंट का प्रसार करने में लगी हुई थी। दो सबसे बड़े अभिनेता के डीपफेक वीडियो भाजपा के विरोध और विपक्ष का समर्थन करने में जुटे हुए थे। इनके एजेंडे में भारत विरोध और मोदी विरोध में कोई अंतर नहीं रह गया।

अमेठी में स्मृति ईरानी की हार, गांधी परिवार के सहयोगी ने बदला लिया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमेठी से दोबारा चुनाव लड़ रहीं केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के वफादार किशोरी लाल शर्मा से हार स्वीकार की और कहा कि वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करना जारी रखेंगी। 2019 के चुनावों में कांग्रेस के गढ़ से राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी कांग्रेस के वफादार किशोरी लाल शर्मा से एक लाख से अधिक मतों के बड़े अंतर से पीछे चल रही हैं। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं भाजपा पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने निर्वाचन क्षेत्र और पार्टी की सेवा में पूरी लगन और निष्ठा के साथ काम किया है। ईरानी ने कहा, मैं जीतने वालों को बधाई देता हूं। मैं अमेठी के लोगों की सेवा में बनी रहूंगी। ईरानी ने कहा, आज मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभारी हूं कि उनकी सरकारों ने 30 साल के लंबित कार्यों को महज 5 साल में पूरा कर दिया। इससे पहले दिन में किशोरी लाल शर्मा ने इंडिया टुडे से बात की और अपनी सफलता का श्रेय गांधी परिवार और विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के समर्थन को दिया।

शर्मा ने कहा मुझे गांधी परिवार और इंडिया ब्लॉक का समर्थन मिला। मैं इसका श्रेय गांधी परिवार को देना चाहता हूं। अमेठी गांधी की भूमि है। अमेठी में अहंकार नहीं बल्कि विनम्रता काम आएगी। इस महत्वपूर्ण परिणाम का सारा श्रेय प्रियंका गांधी को जाता है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

सिटी स्पोर्ट्स

दो दिवसीय अग्रवाल बैडमिंटन लीग 8 जून से

रायपुर। अग्रवाल सभा की युवा मंडल द्वारा 8 और 9 जून को बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। स्काई टी.एम.टी व आई स्पोर्ट्स के सहयोग से उक्त प्रतियोगिता आई स्पोर्ट्स एरेना दलदल सिवनी (मोवा) सीवानीं मोवा होगी। युवा मंडल अध्यक्ष राम अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल युवा मंडल विगत वर्षों से समाज के युवाओं को प्रेरित करने के लिए समय-समय पर भिन्न-भिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करने व लोगों का खेल के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। युवा मंडल महामंत्री सी. एस. सौरभ अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम के व्यवस्थित व सुचारू आयोजन के लिए 4 सदस्यीय समिति का गठन किया है। जिसमें मनोज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, संदीप अग्रवाल व सिद्धार्थ तुलस्यान शामिल हैं। वहीं, मीडिया प्रभारी आयुष मुरारका ने बताया कि अभी तक करीब 200 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए अपना पंजीयन करवा लिया है। प्रतियोगिता विभिन्न वर्गों में आयोजित की जा रही है। जिसमें महिला, पुरुष व बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। विजेताओं को विभिन्न पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रतियोगिता की समय सारिणी के लिए 5 जून को खेल स्थल में ड्रॉ निकाला जाएगा।

अंडर 16 एलिट ग्रुप इंटर डिस्ट्रीक्ट टूर्नामेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा

अंडर 17 मई से अंडर 16 एलिट ग्रुप इंटर डिस्ट्रीक्ट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ की विभिन्न 8 टीमों ने भाग लिया। स्पर्धा का तीन दिवसीय फाइनल मैच रायपुर व दुर्ग के बीच कल्याण कॉलेज भिलाई में 2 जून को प्रारंभ हुआ। जिसमें दुर्ग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। दुर्ग ने अपनी पहली पारी में 61.5 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। दुर्ग की ओर से युग देशलहरा ने 55 रन बनाए। रायपुर की ओर से सुमीत कुकरेजा ने 5 विकेट तथा वेदांत जैन ने 3 विकेट प्राप्त किए। दूसरे दिन की समाप्ति तक रायपुर ने अपनी पहली पारी में 73 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 260 रन बना लिए हैं। रायपुर की ओर से हर्षित कुमार यादव ने नाबाद 118 रन तथा अमेया मोरे ने 82 रनों का योगदान दिया। इस तरह रायपुर ने अब तक 101 रनों की बढ़त बना ली है।

कुछ कृत्यों से शनि देव हो जाते हैं नाराज, देकर रहते हैं सख्त सजा

ज्योतिष शास्त्र में शनि देव को सबसे सर्वश्रेष्ठ ग्रह के साथ ही क्रूर और गुस्सैल ग्रह भी माना जाता है। शनि देव न्यायप्रिय और कर्म कारक देवता कहलाते हैं। साथ ही इन्हें कलियुग का दंडाधिकारी की उपाधि भी प्राप्त है। शनि देव अगर प्रसन्न हो जाए तो जीवन खुशियों से भर देते हैं लेकिन शनि को गुस्सा आ जाए तो सख्त सजा देते हैं।

ऐसा काम न करें जिससे शनिदेव हों रुष्ट

यही कारण है कि हर कोई शनि की बुरी दृष्टि से बचने का प्रयास करता है। ज्योतिष में शनि देव को प्रसन्न करने और उनकी बुरी दृष्टि से बचने के कई उपायों के बारे में बताया गया है। अगर आप भी शनि देव के दंड से बचना चाहते हैं तो ऐसा कोई भी काम न करें, जो कि शनि देव को पसंद नहीं है। आइये जानते हैं किन कामों को करने वाले लोगों से शनि देव नाराज हो जाते हैं और दंड देते हैं।

ऐसे काम से शनि देव हो जाते हैं खफा : जो असहाय लोगों को जान बूझकर परेशान करते हैं या सताते हैं उससे शनि देव बहुत नाराज हो जाते है। ऐसे काम करने वालों को शनि देव कभी माफ नहीं करते। इन लोगों पर जब शनि की ढैय्या या साढ़ेसाती चलती है तो शनि देव खूब कष्ट देते हैं।

महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों, मजदूरों और जानवरों को परेशान करने वालों को भी सजा देने में शनि देव पीछे नहीं रहते हैं।

जो लोग झूठ बोलते हैं, चोरी करते हैं, गरीबों का धन हड़पते हैं, झूठी गवाही देते हैं और गंदी नीयत रखते हैं, उन्हें भी शनि की बुरी दृष्टि का सामना करना पड़ता है।

ऐसे लोग जो गलत काम करके खूब पैसा कमा लेते हैं, उन्हें शनि देव ऐसा दंड देते हैं कि सड़क पर ला देते हैं। वहीं मेहनत से धन कमाने वालों पर शनि देव की कृपा बनी रहती है।

एयर कंडीशनिंग कई लोगों के लिए राहत का एक ज़रूरी साधन

लगातार एसी में बैठना भी है सेहत के लिए नुकसानदायक ड्राई स्किन और अस्थमा अटैक का बढ़ता है खतरा

एयर कंडीशनर में लंबे समय तक बैठने के कारण कई सारी शारीरिक दिक्कतें हो सकती है। जैसे स्किन से जुड़ी परेशानी के साथ अस्थमा अटैक का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ जाता है। चिलचिलाती गर्मी के महीनों में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है। एयर कंडीशनिंग (एसी) कई लोगों के लिए राहत का एक ज़रूरी साधन बन जाता है। आजकल की मॉर्डन लाइफस्टाइल में ज़्यादातर लोग तेज़ गर्मी से बचने के लिए एसी पर निर्भर हो रहे हैं। एयर कंडीशनर हवा को ठंडा करके और नमी को कम करके काम करते हैं। हालांकि, हाल ही में डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि एसी का लंबे समय तक इस्तेमाल कई तरह के स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है।

एसी से फैलती है लीजियोनेयर्स की बीमारीर

सर गंगा राम अस्पताल के मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ सलाहकार एम वली ने बताया कि एसी से लीजियोनेयर्स की बीमारी फैलती है जो एचवीएसी सिस्टम में पानी की गंदगी और एरोसोल धुंध के माध्यम से बैक्टीरिया के फैलने के कारण होने वाला निमोनिया का एक गंभीर रूप है। एसी के कुछ ही ऐसे ब्रैंड है जो ठीक से फिल्टर करते हैं ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो।

एसी से आराम लेकिन स्वास्थ्य समस्याएं भी

एसी में बैठने से शरीर को काफी ज्यादा आराम मिलता है लेकिन इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। जिसमें त्वचा का ड्राई होना, परतदार और खिंची हुई त्वचा से लेकर सिरदर्द, सूखी खांसी, चक्कर आना और मतली, आदि परेशानी हो सकती है। एसी के ज्यादा इस्तेमाल से एलर्जिक राइनाइटिस और अस्थमा जैसी सांस से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं। अगर एसी का ठीक से रखरखाव नहीं किया जाता है तो इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ता है।

छोटे बच्चों को गलती से भी न दें ऐसे फूड्स जो बन जाते हैं बीमारी का कारण

अपने बच्चे की हेल्थ का ख्याल रखना हर परिवार का कर्तव्य होता है। विशेषज्ञों के अनुसार 6 महीने तक के शिशुओं को केवल मां का दूध या फॉर्मूला मिल्क देना चाहिए, यह सभी जानते हैं लेकिन जैसे ही बच्चा 6 महीने का होता है, माता-पिता उसे नए-नए स्वाद चखाने लगते हैं। हालांकि, 1 साल से छोटे बच्चों की किडनी, लिवर और अन्य अंग पूरी तरह विकसित नहीं होते हैं, इसलिए उनकी डाइट में सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ ऐसे फूड्स हैं 12 महीने से कम उम्र के बच्चों को नहीं देना चाहिए।

नमक : बच्चों के खाने में नमक डालने से बचें। एक साल तक के बच्चों के गुर्दे (किडनी) नमक को सही से प्रोसेस नहीं कर पाते। इससे उनके हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।

चीनी : बच्चों को ज्यादा चीनी वाली चीजें न दें। इससे उनके दांत खराब हो सकते हैं और मोटापा बढ़ने का खतरा भी रहता है। प्राकृतिक रूप से मीठे फलों को उनकी डाइट में शामिल करना बेहतर होता है।

नट्स और हार्ड फूड्स : एक साल से छोटे बच्चों को नट्स और हार्ड फूड्स (जैसे गाजर के बड़े टुकड़े) देने से बचें। बच्चों के लिए इन्हें चबाना और निगलना उनके लिए मुश्किल होता है और इससे गला चोक होने का खतरा रहता है।

आइसक्रीम : आइसक्रीम दूध से बनती है और एक साल से छोटे बच्चों के लिए गाय या भैंस का दूध पचाना मुश्किल होता है। इससे बच्चों को एलर्जी, पाचन समस्याएं या पेट दर्द हो सकता है। इसलिए एक साल से छोटे बच्चों को आइसक्रीम नहीं देनी चाहिए।

चॉकलेट : शिशुओं के लिए चाकलेट काफी हानिकारक हो सकती है। इससे उनकी नींद में बाधा आ सकती है और पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे वे खाना खाने से बचते हैं। चॉकलेट का सेवन छोटे बच्चों के लिवर पर भी गलत असर डालता है। इसलिए एक साल से छोटे बच्चों को चॉकलेट नहीं देना चाहिए।

गर्मियों में ज्यादा देर तक भूखे रहेंगे तो हो जाएंगे कई बीमारियों के शिकार

गर्मी में ज्यादा देर तक भूखे रहने के कारण हीट स्ट्रोक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक दिन में 8 घंटे के गैप पर खाते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा काफी ज्यादा रहता है। हार्ट अटैक का खतरा दो गुना बढ़ जाता है। गर्मियों में ज्यादा देर तक भूखे रहने के पेट में बैक्टीरिया काफी तेजी से बढ़ जाता है। इससे फूड पॉइजनिंग और पाचन से जुड़ी समस्याओं का खतरा काफी ज्यादा रहता है। गर्मी में बैक्टीरिया और वायरस काफी ज्यादा बढ़ने लगते हैं। यह पाचन तंत्र को काफी ज्यादा प्रभावित करती है।

थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाते-पीते रहें

इन दिनों पूरे देश में भीषण गर्मी पड़ रही है। दरअसल, पूरे भारत में हीट वेव से लोगों का हाल बेहाल है। इस गर्मी में ज्यादा देर तक भूखे रहना हेल्थ के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है क्योंकि गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है। इसलिए थोड़े-थोड़े घंटे के गैप पर खाते और पीते रहें। इससे आपकी शरीर में एनर्जी बनी रहेगी। शरीर में पानी कमी के कारण किडनी-लिवर डैमेज होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इससे किडनी में स्टोन की शिकायत होती है। हीट वेव के कारण यह स्टोन का साइज बढ़ सकता है।

दिल और फेफड़े की बीमारी

बॉडी का टेंपरेचर बढ़ने पर शरीर में ब्लड पंप करने पर दिल पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है। यही कारण है कि दिल पर बुरा असर पड़ता है। हीट वेव के कारण अस्थमा अटैक का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ जाता है। हीट वेव बढ़ने के कारण हवा की क्वालिटी खराब होती है तो इसका सीधा असर फेफड़ों पर पड़ता है। गर्मी का बुरा असर पेट और पाचन पर भी पड़ता है। गर्मी के कारण पेट गर्म होता है। ऐसी स्थिति में डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए।

वजन कम से लेकर कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने तक साइकिलिंग है बेस्ट

हर साल की तरह इस साल भी 3 जून के दिन 'वर्ल्ड साइकिलिंग डे' मनाया गया। खुद को फिट रखने के लिए साइकिलिंग बेस्ट ऑप्शन होता है। युवाओं से लेकर बड़े तक साइकिलिंग को लेकर काफी ज्यादा क्रेज है। कुछ लोग सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकल जाते हैं।

वहीं कुछ लोग अपनी हेल्थ की समस्या को दूर करने के लिए साइकिलिंग करते हैं। साइकिलिंग के कई सारे फायदे मिलते हैं। आज हम साइकिलिंग के फायदे के बारे में विस्तार से बताएंगे।

वजन होता है कम

साइकिलिंग करने से शरीर का फैट कम होता है साथ ही यह हेल्दी वेट मैनेजमेंट को भी बढ़ावा देता है। साइकिल चलाने से वजन कम करने में काफी ज्यादा सहायता मिलता है।

मांसपेशियां होती हैं मजबूत

साइकिलिंग करने से कॉड्स, ग्लूट्स, हैमस्ट्रिंग और पिंडलियों भी मजबूत होती है। साइकिल चलाने से शरीर के निचले हिस्सा मजबूत होता है। जोड़ों पर अधिक दबाव डाले बिना पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

कोलेस्ट्रॉल का लेवल होता है कम

साइकिलिंग करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। जिसके कारण हार्ट सेहतमंद होता है। दिल के दौरे और स्ट्रोक का जोखिम कम होता है।

स्ट्रेस और चिंता होती है कम

साइकिल चलाने से स्ट्रेस और तनाव कम होता है। अगर आपको स्ट्रेस की परेशानी हो रही है तो आपको साइकिलिंग करनी चाहिए।

ब्लड सर्कुलेशन होता है बेहतर

साइकिलिंग करने से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इससे बॉडी में ऑक्सीजन की कमी नहीं होती है।

कैंसर कम करने में मिलती है मदद

साइकिलिंग करना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। इससे कैंसर का जोखिम भी कम होता है। साइकिलिंग करने से दुबला और फिट रहने में मदद मिलती है।

साइकिलिंग कितनी और कब करना चाहिए?

साइकिलिंग करने से कई सारे फायदे मिलते हैं। हर हफ्ते कम से कम पांच घंटे या 300 मिनट साइकिल चलाना चाहिए। आप इसे आसानी से एक घंटे प्रतिदिन, पांच दिन एक्सरसाइज करके हासिल कर सकते हैं। आप ज़्यादा समय तक साइकिल चलाकर या अपने वर्कआउट की तीव्रता बढ़ाकर कैलोरी बर्न बढ़ा सकते हैं।

कार्नर न्यूज

बोतलबंद पानी पर एक स्टडी में डराने वाला खुलासा किया है

उठते-बैठते प्लास्टिक की बोतल से पानी पीना हो सकता है खतरनाक

घर से लेकर ऑफिस और सफर तक आज बोतलबंद पानी हमारी लाइफ का अहम हिस्सा हो गया है हम बेफिक्र होकर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं तो इसका मतलब अपनी बॉडी में 'जहर' भर रहे हैं। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज नाम की संस्थान ने एक स्टडी में डराने वाला खुलासा किया है। जिसमें बताया गया है कि एक लीटर बोतलबंद पानी में करीब 2.40 लाख प्लास्टिक के महीन टुकड़े मौजूद होते हैं। जिसकी वजह से सेहत को गंभीर और जानलेवा खतरे हो सकते हैं।

क्या हुआ है रिसर्च में खुलासा

हालिया रिसर्च में शोधकर्ताओं को प्लास्टिक की बोतल में मौजूद एक लीटर पी में ही 100,000 से ज्यादा नैनोप्लास्टिक मिले हैं। ये इतने छोटे कण होते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन, कोशिकाओं और दिमाग तक में पहुंच सकते हैं और कई खतरे बढ़ा सकते हैं। ऐसे में सावधान रहने की जरूरत है।

प्लास्टिक की बोतल में पानी क्यों खतरनाक

एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्लास्टिक की बोतल के पानी में बिस्फेनॉल-ए और फेथलेट्स जैसे केमिकल्स घुल जाते हैं। जब बोतल का पानी धूप या गर्मी के संपर्क में आता है तो ये केमिकल्स पानी में घुल जाते हैं और शरीर के अंदर पहुंचकर नुकसान पहुंचाते हैं। इसके अलावा प्लास्टिक कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और क्लोराइड से बनता है, जिसे बीपीए प्लास्टिक की पानी की बोतल बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

प्लास्टिक बोतल में पानी पीने के अन्य खतरे

1. **डायबिटीज और दिल को खतरा**
हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की रिसर्च के अनुसार, पॉली कार्बोनेट की बोतलों के पानी में बिस्फेनॉल ए केमिकल होता है, जो जब शरीर में जाता है तो दिल की बीमारियों और डायबिटीज का खतरा कई गुना तक बढ़ा सकता है।

2. **प्रजनन क्षमता प्रभावित**
प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से उसमें मौजूद बीपीए और फैथलेट्स केमिकल प्रजनन क्षमता तक को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। इस पानी को पीने से हार्मोनल संतुलन भी बिगड़ सकता है। इसकी वजह से बांझपन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

3. **कैंसर का खतरा**
एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से कई तरह के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इससे ब्रेस्ट और ब्रेन कैंसर हो सकता है। प्लास्टिक की पॉलिथीन में रखी गर्म चीज खाने या पीने से कैंसर का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ सकता है। इस पानी को पीने से ल्यूकेमिया और लिंफोमा जैसी बीमारियों का भी खतरा रहता है।